page 1 and 8 may 21_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/21/2026 2:41 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 बसोहली दौरे पर डीसी कठुआ, विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा

5 आईपीएल 2026 : वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी से जीता राजस्थान

8 एग्रीकल्चर विभाग कश्मीर ने विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया

मौसम जम्मू — न्यूनतम 25 — अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-122 | जम्मू तवी, वीरवार 21 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

इटली और भारत ने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक भागीदारी तक बढाने का निर्णय लिया: मोदी

> इटली विश्व में डिजाइन और सटीकता के लिए जाना जाता है। भारत की पहचान पैमाने, प्रतिभा और किफायती नवाचार के पावरहाउस की है। इसलिए हम भारत और इटली में डिजाइन और विकास करेंगे और दुनिया के लिए वितरित करने के सिद्धांत पर आगे बढेंगे।

रोम, 20 मई । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और इटली ने व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अपने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत और इटली रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में भी मिलकर काम करेंगे। श्री मोदी ने बुधवार को यहां इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि सुश्री मेलोनी के नेतृत्व में दोनों देशों के संबंधों को नयी गति और आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि इसे आगे बढाते हुए दोनों देशों ने अब अपने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश आतंकवाद की कड़ी निंदा करते है और इसे मानवता के लिए गंभीर चुनौती मानते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा ,卐पिछले लगभग साढे तीन वर्षों में मुझे कई बार प्रधानमंत्री मेलोनी से मिलने का अवसर मिला है। यह भारत और इटली के बीच घनिष्ठ सहयोग और सामंजस्य को दर्शाता है। उनके नेतृत्व में हमारे संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्म-विश्वास मिला है। मुझे खुशी है कि हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाते हुए विशेष रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने की घोषणा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और इटली मिलकर उत्पादों का डिजाइन तथा विकास करेंगे और इन्हें दुनिया को उपलब्ध करायेंगे। श्री मोदी ने कहा , इटली विश्व में डिजाइन और सटीकता के लिए जाना जाता है। भारत की पहचान पैमाने, प्रतिभा और किफायती नवाचार के पावरहाउस की है। इसलिए हम भारत और इटली में डिजाइन और विकास करेंगे और दुनिया के लिए वितरित करने के सिद्धांत पर आगे बढेंगे। रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में मिलकर काम करने की सहमति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा ,卐 हमारे रक्षा औद्योगिक रोडमैप से सह-विकास और सह-उत्पादन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। समुद्री शक्तियों के रूप में भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग स्वाभाविक है। हम मिलकर शिपिंग, बंदरगाहों के आधुनिकीकरण, रसद और समुद्री अर्थव्यवस्था पर काम करेंगे। आतंकवाद पर दोनों देशों के रूख में समानता बताते हुए उन्होंने कहा ,卐 भारत और इटली एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर चुनौती है। आतंक वित्तपोषण के खिलाफ हमारी साझा पहल ने पूरे विश्व के सामने एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के नवनियुक्त कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपे

हमें निरंतर सतर्क और सावधान रहना चाहिए, कानून-व्यवस्था के खतरों और आतंकवाद का स्वरूप बदल गया है

> जम्मू कश्मीर को भय और आतंकवाद से मुक्त करने के लिए सभी को दृढ़ संकल्प और दक्षता के साथ काम करना चाहिए

जम्मू, 20 मई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस के नवनियुक्त कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपे। उपराज्यपाल ने नए रंगरूटों से मातृभूमि की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए स्वयं को समर्पित करने और इस बल की गौरवशाली विरासत को मजबूत करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हमें निरंतर सतर्क और सावधान रहना चाहिए। कानून-व्यवस्था के खतरों और आतंकवाद का स्वरूप बदल गया है, जिसके लिए निरंतर, अटूट सतर्कता और खुलेआम छिपे खतरों के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। उपराज्यपाल ने कहा कि नए भर्ती हुए पुलिसकर्मियों को एक टीम के रूप में काम करना चाहिए, क्योंकि जम्मू कश्मीर जिन खतरों का सामना कर रहा है। उनके लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच सहयोग आवश्यक है।

उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर को भय और आतंकवाद से मुक्त करने के लिए सभी को दृढ़ संकल्प और दक्षता के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद अपने आप नहीं पनपता, इसके लिए धन, नेटवर्क और समर्थन प्रणालियों की आवश्यकता होती है। कानून की पूरी ताकत का इस्तेमाल करते हुए हमें वित्तपोषण के स्रोतों का पता लगाना और उन्हें निष्क्रिय करना होगा। हमें हर नेटवर्क की पहचान करनी होगी और हर समर्थन प्रणाली को पूरी तरह से नष्ट करना होगा। उपराज्यपाल ने यह भी चेतावनी दी कि आधुनिक उपकरणों के साथ-साथ पुलिस बल को बुनियादी पुलिसिंग के कौशल को भी अपनाना चाहिए।

खबर संक्षेप

रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता दोहरायी

नयी दिल्ली, 20 मई। रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए हाल की घटनाओं को लिए असामाजिक तत्वों की जम्मेदार ठहराया है।

रेलवे ने बुधवार को यहां एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हाल ही में विभिन्न ट्रेनों में आग लगने की घटनाएँ सामने आई हैं। भारतीय रेलवे द्वारा इन घटनाओं की जाँच की गई, जिसमें पाया गया कि कई मामलों में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता रही है। रेलवे ने कहा कि राजस्थान में अमरपुरा स्टेशन के निकट एक ट्रेन में आग लगने की घटना किसी व्यक्ति द्वारा बिस्तर सामग्री जलाने की कोशिश के कारण हुई थी।

वहीं, हावड़ा में जिस ट्रेन में आग लगी थी, उसके शौचालय से पेट्रोल में भीगा हुआ कपड़ा बरामद किया गया। कोटा में राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन में भी पहली आग की लपटें शौचालय से उठी थी। इसी तरह से सासाराम में खाली ट्रेन और खाली कोच थे। वहाँ कोई पावर जनरेटर नहीं था। इस घटना में सबसे अधिक संभावना है कि किसी ने अंदर जलती हुई वस्तु फेंकी हो। रेलवे ने कहा कि भारतीय रेल ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा ऐसी घटनाओं में सघन जांच की जा रही है। रेल कर्मियों की तत्परता से अमरपुरा और हावड़ा की घटनाओं में बड़ा हादसा टल गया। यात्रियों से अनुरोध है कि सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

जम्मू-कश्मीर में पहले तीन दिनों में 15 लाख से अधिक परिवारों ने स्व-गणना पूरी की : मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी

जम्मू, 20 मई । जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी और जनगणना संचालन निदेशक अमित शर्मा ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में 2027 की जनगणना के तहत स्व-गणना शुरू होने के पहले तीन दिनों के भीतर ही 15 लाख से अधिक परिवारों ने आधिकारिक स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक स्व-गणना पूरी कर ली है।

उन्होंने स्व-गणना के प्रति जनता की प्रतिक्रिया को बेहद उत्साहजनक बताया और कहा कि शहरी, ग्रामीण, पहाड़ी और दूरदराज के क्षेत्रों के नागरिक भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल और कागज रहित जनगणना में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, 卐केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में स्व-गणना के प्रति उत्साहजनक भागीदारी और उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

इस अवसर पर पीआईबी, जम्मू के मीडिया एवं संचार अधिकारी जाकिर नजीर भी उपस्थित थे। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर प्रकाश डाला कि कुलगाम, बारामूला और कुपवारा जैसे सुदूर जिलों के साथ-साथ जम्मू मंडल के दूरस्थ क्षेत्रों में भी स्व-गणना के प्रारंभिक चरण में उल्लेखनीय जनभागीदारी देखी गई है जो डिजिटल जनगणना प्रक्रिया के प्रति नागरिकों की बढ़ती जागरूकता और विश्वास को दर्शाती है।

निदेशक ने कहा कि इस प्रक्रिया के पहले कुछ दिनों में मिली प्रबल प्रतिक्रिया व्यापक जागरूकता अभियानों, मीडिया पहुंच, जिला स्तरीय लामबंदी और केंद्र शासित प्रदेश के जनगणना संचालन निदेशालय और जिला प्रशासनों द्वारा स्थापित नागरिक सुविधा तंत्रों की सफलता को दर्शाती है।

शर्मा ने आगे बताया कि नागरिकों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुचारू रूप से और सटीक रूप से स्व-गणना पूरी करने में सहायता करने के लिए जिला और जमीनी स्तर पर समर्पित सहायता प्रणाली और सुविधा व्यवस्था भी स्थापित की गई है।

निदेशक ने केंद्र शासित प्रदेश में प्रवासी, खानाबदोश आदिवासी आबादी, जिनमें गुर्जर, बकरवाल और अन्य खानाबदोश समुदाय शामिल हैं को कवर करने के लिए की जा रही विशेष व्यवस्थाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनजातीय या प्रवासी आबादी का कोई भी व्यक्ति जनगणना की गणना प्रक्रिया से वंचित नहीं रहेगा और कहा कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय, स्कूल शिक्षा विभाग, जनजातीय मामलों के विभाग और भेड़पालन विभाग सहित विभिन्न विभागों के समन्वय से समर्पित परिचालन तंत्र तैयार किए जा रहे है ताकि स्व-गणना और उसके बाद के घर-घर सूचीकरण कार्यों के दौरान प्रवासी और खानाबदोश आबादी का व्यापक कवरेज सुनिश्चित किया जा सके

जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने ईंधन संरक्षण उपायों के मद्देनजर वर्चुअल सुनवाई को अपनाया और एलटीसी को किया निलंबित

जम्मू 20 मई। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने देशव्यापी आर्थिक आत्मरक्षा के आह्वान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताओं के मद्देनजर कई प्रशासनिक निर्देश जारी किए हैं जिनमें वर्चुअल सुनवाई को प्रोत्साहित करना, अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी) सुविधाओं को निलंबित करना और आधिकारिक गतिविधियों को ऑनलाइन स्थानांतरित करना शामिल है।

श्रीनगर स्थित रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार ये उपाय अगले आदेश तक लागू रहेंगे। परिपत्र में कहा गया है कि 21 मई, 2026 से उच्च न्यायालय ऑनलाइन कार्यवाही के लिए निर्धारित शिष्टाचार और प्रोटोकॉल का पालन करते हुए वर्चुअल सुनवाई और अधिवक्ताओं की वर्चुअल उपस्थिति को प्रोत्साहित करेगा।

इसमें आगे कहा गया है कि 8 जून, 2026 से शुरू होने वाली अदालती अवकाश अवधि के दौरान मनोनीत अवकाश पीठें वर्चुअल माध्यम से मामलों की सुनवाई करेंगी। हालांकि अपरिहार्य कारणों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लेने में असमर्थ अधिवक्ता अदालतों के भौतिक रूप से कार्य करने पर शारीरिक रूप से उपस्थित हो सकते हैं।

उच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक जिलों में कोई भी भौतिक प्रशासनिक निरीक्षण या दौरा नहीं किया जाएगा और सभी प्रशासनिक बैठकें ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएंगी।

सिधडा में घरों को गिराने की कार्रवाई के मामले में सरकार ने समिति का किया गठन

जम्मू, 20 मई । जम्मू-कश्मीर सरकार ने जम्मू के सिधडा के रायका बांदी क्षेत्र में आदिवासी परिवारों के घरों को गिराए जाने के संबंध में वन अधिकार अधिनियम, 2006 के कथित उल्लंघन की जांच के लिए एक तथ्य-जांच समिति का गठन किया है। जनजातीय मामलों के विभाग द्वारा जारी एक सरकारी आदेश के अनुसार मामले की जांच करने और सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए दो सदस्यीय समिति के गठन को मंजूरी दे दी गई है। समिति में जम्मू-कश्मीर के जनजातीय मामलों के निदेशक मोहम्मद मुमताज अली और जनजातीय मामलों के निदेशालय के सहायक निदेशक मुज़मिल हसन चौधरी शामिल हैं।

आदेश में कहा गया है कि समिति रायका बांदी (सिधडा), जम्मू में आदिवासी परिवारों के घरों को हाल ही में गिराए जाने के संबंध में वन अधिकार अधिनियम, 2006 के किसी भी उल्लंघन की जांच करेगी। वन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस के अधिकारियों द्वारा चलाए गए अतिक्रमण-विरोधी अभियान के बाद व्यापक आलोचना और विरोध प्रदर्शनों के बीच यह कदम उठाया गया है जिसके दौरान कई ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया था। इस विध्वंस अभियान ने गुर्जर-बकरवाल समुदाय के सदस्यों और राजनीतिक नेताओं में आक्रोश पैदा कर दिया था जिन्होंने आरोप लगाया था कि यह कार्रवाई बिना पूर्व सूचना के और आदिवासी अधिकारों का उल्लंघन करते हुए की गई थी। यह आदेश जम्मू और कश्मीर सरकार के निर्देशों के तहत जनजातीय मामलों के विभाग द्वारा जारी किया गया है।

पाकिस्तानी सीमा के पास ड्रोन से गिराई गई 1.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त की

जम्मू, 20 मई । बिश्नाह स्थित जम्मू मुख्यालय जोन पुलिस ने बुधवार सुबह सीमा क्षेत्र में ड्रोन से गिराई गई 1.5 से 2 किलोग्राम हेरोइन की एक बड़ी खेप बरामद की। पाकिस्तानी नेटवर्क व संपर्कों का पता लगाने के लिए एक व्यापक जांच जारी है।

पिछले सप्ताह मिली सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस टीमें संदिग्ध क्षेत्रों में चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी रख रही थीं। सावधानीपूर्वक योजना तब सफल हुई जब अवैध खेप को उसके लक्षित प्राप्तकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया गया और जब्त कर लिया गया।

फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की एक टीम बरामद प्रतिबंधित सामग्री का विस्तृत विश्लेषण करने और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गई है।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में इंडस्ट्रियल बायोटेक पार्कों की स्थिरता योजना की समीक्षा की

> बायोटेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए इन पार्कों का लाभ उठाने पर दिया जोर

जम्मू, 20 मई। मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने आज जम्मू-कश्मीर में कठुआ और हंदवाड़ा में स्थापित किए जा रहे इंडस्ट्रियल बायोटेक पार्कों की तैयारियों, संचालन ढांचे और भविष्य की स्थिरता योजना की समीक्षा की। उन्होंने इन सुविधाओं को नवाचार, उद्यमिता और तकनीक आधारित औद्योगिक विकास के सशक्त केंद्रों में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया।

समीक्षा बैठक में कमिश्नर सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग; कमिश्नर सचिव, योजना; डायरेक्टर, सी एस आई आर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन; सी ई ओ, जम्मू एंड कश्मीर एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी; सी ई ओ, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन इन गवर्नेंस; विभिन्न विश्वविद्यालयों के फैकल्टी सदस्य और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने इंडस्ट्रियल बायोटेक पार्क, घाटी, कठुआ में विकसित बुनियादी ढांचे का जायजा लिया और हंदवाड़ा बायोटेक पार्क परियोजना की प्रगति का भी आकलन किया। मुख्य सचिव ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को पेशेवरों द्वारा उजागर किए गए प्रशासनिक अंतरालों को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन पार्कों के संचालन के लिए सोसाइटी के रूप में एक संस्थागत ढांचा पहले से मौजूद है। उन्होंने दैनिक संचालन संबंधी निर्णय लेने और इन परिसंपत्तियों का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए पेशेवर प्रबंधन प्रणाली लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने स्टार्टअप, उद्यमिता और क्षमता निर्माण के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और सी एस आई आर-आई आई आई एम जम्मू की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से निर्धारित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

भारत जिम्मेदार परमाणु शक्ति , 'नो फर्स्ट यूज़ की नीति पर कायम, लेकिन ब्लैकमेल नहीं सहेगा : राजनाथ

नयी दिल्ली, 20 मई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा है कि भारत एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति है और इन हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करने की अपनी नीति पर दृढता से कायम है लेकिन वह परमाणु ब्लैकमेल को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगा।

श्री सिंह ने बुधवार को दक्षिण कोरिया के सोल में एक कार्यक्रम में कहा कि भारत की छवि में पहले की तुलना में बहुत बदलाव आया है और अब वह दुनिया में मुद्दों के समाधान देने वाली शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने भाषण के अंश साझा करते हुए कहा, पहले और आज के भारत में स्पष्ट अंतर है। कभी दुनिया भारत को केवल एक सॉफ्ट पावर के रूप में देखती थी, लेकिन आज दुनिया भारत को समाधान देने वाली शक्ति के रूप में देख रही है।

दुनिया भर में विभिन्न टकरावों के दौरान परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका के बीच उन्होंने कहा , भारत एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति है और नो फर्स्ट यूज़ की नीति पर दृढ़ता से प्रतिबद्ध है लेकिन भारत किसी भी प्रकार के न्यूक्लियर ब्लैकमेल को कभी स्वीकार नहीं करेगा। श्री सिंह ने कहा कि मोदी सरकार के दौरान देश में रक्षा क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन आया है। भारत की नीति अब रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रोएक्टिव है और राष्ट्रीय सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसी संकल्प के साथ भारत स्वदेशी रक्षा निर्माण को तेज़ी से बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आत्मनिर्भरता पर बल दिया है तथा सामाजिक न्याय को नई गति दी है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में हुए बदलावों ने देश का यह विश्वास और मजबूत किया है कि भारत निश्चित रूप से विकसित बन रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने उड़ी में विकास कार्यों और आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की

> परियोजनाओं के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निष्पादन पर दिया जोर

उरी, 20 मई। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज ऑफिसर्स क्लब उरी में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उरी सब डिवीजन में आवश्यक सेवाओं, बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में विधायक उरी डॉ. सज्जाद शफी, मुख्य अभियंता आर एंड बी उत्तर कश्मीर, मुख्य अभियंता पी एम जी एस वाई, अतिरिक्त उपायुक्त बारामुला, सब डिविजनल मजिस्ट्रेट उरी, संयुक्त निदेशक खनन तथा जिला प्रशासन और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने त्वरित सेवा वितरण, मजबूत विकास और प्रभावी जनसंपर्क की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि जनता की वास्तविक शिकायतों का सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को जनता के लिए सुलभ रहने और विकास तथा कल्याण से जुड़े मुद्दों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने गुणवत्ता पूर्ण कार्यान्वयन और समय पर पूर्णता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं का नियमित और आकस्मिक निरीक्षण करने तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों और एस ओ पी का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने उरी में सड़क संपर्क परियोजनाओं की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में क्षेत्र में लगभग 20 सड़क परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जबकि अतिरिक्त परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं और जल्द ही उन पर कार्य शुरू किया जाएगा।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

रहस्यमयी कमरुनाग झील

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्त्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज।

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है।

हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है।

धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

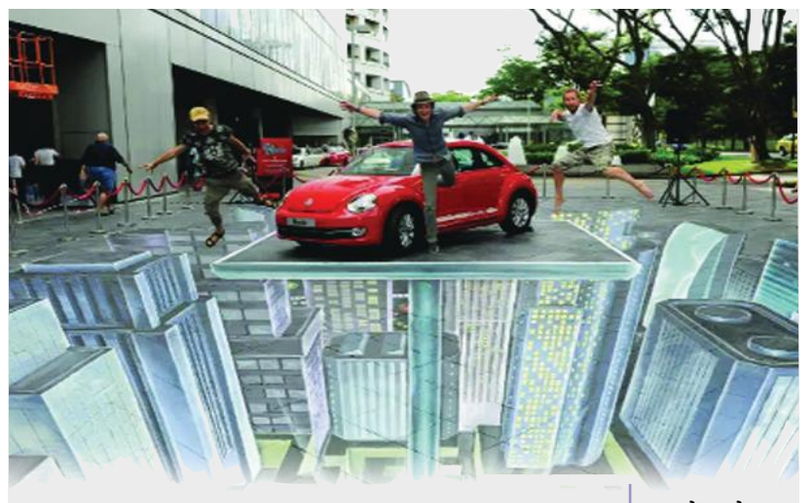

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिऔन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे।

इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गईं। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।

एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।

राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।'

अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।

राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।

मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।

राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।

मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?

राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।

बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।

वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।

राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकांश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।

राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

बसोहली दौरे पर डीसी कठुआ, विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा

कठुआ, 20 मई (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने बुधवार को बसोहली का दौरा कर डाइट बसोहली में आयोजित एक समीक्षा बैठक में मिशन युवा, होलिस्टिक एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम, जनगणना तैयारियों तथा लोक निर्माण विभाग के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन और उपलब्धियों की जानकारी दी। उपायुक्त ने मिशन युवा के तहत युवाओं के कौशल विकास और स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा पात्र लाभार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कृषि क्षेत्र की समीक्षा करते हुए उन्होंने एचएडीपी के अंतर्गत किसानों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने और जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। वहीं पीडब्लूडी (आर एंड बी) के कार्यों की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता बनाए रखने और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जनगणना की तैयारियों की भी समीक्षा की गई जहां उपायुक्त ने विभागों के बीच समन्वय बनाकर तय समय में लक्ष्यों को हासिल करने को कहा।

दौरे के दौरान उपायुक्त ने जवाहर नवोदय विद्यालय बसोहली का निरीक्षण कर वहां की सुविधाओं का जायजा लिया और स्कूल प्रशासन से बातचीत कर आवश्यक समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर आईएएस प्रोबेशनर निधि, सीपीओ कठुआ रंजीत ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने पंचायत घर मंड पश्चिम में जन संपर्क और शिकायत निवारण शिविर का किया आयोजन

उधमपुर, 20 मई (हि.स.)। उधमपुर के उपायुक्त मिंगा शेरपा ने आज जिले के टिकरी ब्लॉक का व्यापक दौरा किया और पंचायत घर मंड पश्चिम – टिकरी ब्लॉक में आयोजित जन संपर्क और शिकायत निवारण शिविर में जनता की अनेक समस्याओं और मांगों को सुना।

इस शिविर में आईएएस प्रोबेशनर शगुन सिंह, एसीडी ओम प्रकाश, जिला अधिकारी, पूर्व पीआरआई सदस्य और आसपास की पंचायतों के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। जनता ने पेयजल आपूर्ति बढ़ाने, बंदरों के आतंक को रोकने के उपाय, ट्यूबवेल का निर्माण, एलपीजी की पर्याप्त आपूर्ति, मंड पश्चिम में कचरा डंपिंग स्थल को स्थानांतरित करने, डोगरा हाट का निर्माण पूरा करने, पिछले वर्ष की बाढ़ के पीड़ितों के लिए लंबित मुआवजे की रिहाई, रद्द किए गए बीपीएल राशन कार्डों का पुनः सत्यापन, पेयजल की कमी को दूर करने के लिए हैंडपंपों की स्थापना और सिलाई एवं बाल कटाई केंद्रों को खोलने सहित कई मांगें रखीं। डीसी ने पूर्व पीआरआई सदस्यों और आम जनता द्वारा उठाई गई शिकायतों और मांगों को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने वास्तविक मुद्दों के शीघ्र निवारण के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश जारी किए। उन्होंने अधिकारियों को सभी शिकायतों का प्रत्यक्ष आकलन करने और प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान करने का निर्देश दिया। संबंधित विभागों को निर्देश जारी करके कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। समर्पित और निष्ठावान जनसेवा की आवश्यकता पर जोर देते हुए डीसी ने अधिकारियों को वास्तविक जन शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यकारी अभियंता पीएचई को चल रहे जेजेएम कार्यों को पुनः आरंभ करने और क्षेत्र में पारंपरिक जल स्रोतों का जीर्णोद्धार करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने जनता को एचएडीपी, जेकेसीआईपी, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और मिशन युवा सहित सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूक किया और उनसे इन पहलों का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। पूर्व पीआरआई सदस्यों और आम जनता ने उपायुक्त को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा और क्षेत्र में आयोजित जनसंपर्क शिविर के लिए प्रशासन की सराहना की। इससे पहले संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने जनता को विभिन्न कल्याणकारी और विकास योजनाओं के बारे में जागरूक किया और उन्हें सरकारी पहलों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुख्यात तस्कर बलोची पिट-एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार, कोट भलवाल जेल भेजा

कठुआ, 20 मई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आदतन नशा तस्कर को पिट-एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर सेंट्रल कोट भलवाल जेल जम्मू भेज दिया है।

यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस टीम ने डिविजनल कमिश्नर जम्मू द्वारा जारी डिटेंशन वारंट को निष्पादित करते हुए आरोपी हरपाल सिंह उर्फ बलोची निवासी वार्ड नंबर 13 कठुआ को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी एक आदतन अपराधी और नशा तस्कर है जो लंबे समय से नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त रहा है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले से चार मामले दर्ज हैं जिनमें वर्ष 2003, 2007, 2020 और 2025 के केस शामिल हैं। आरोपी की लगातार आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए उसके खिलाफ पिट-एनडीपीएस एक्ट 1988 के तहत डोजियर तैयार कर डिविजनल कमिश्नर जम्मू को भेजा गया था जिसके आधार पर डिटेंशन वारंट जारी किया गया। वारंट के निष्पादन के बाद आरोपी को सेंट्रल कोट भलवाल जेल जम्मू में भेज दिया गया है।

पुलिस ने कुख्यात हेरोइन तस्कर इम्तियाज उर्फ क्रिश्चियन को किया गिरफ्तार

अनंतनाग, 20 मई (हि.स.)। नशीली दवाओं की तस्करी और अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ अपनी कड़ी कार्रवाई जारी रखते हुए अनंतनाग पुलिस ने डियाल्गम में नाका चेकिंग के दौरान एक नशीले पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया।

डियाल्गम पुलिस चौकी की एक पुलिस टीम ने नियमित चेकिंग के लिए चेचरीपोरा बाईपास क्रॉसिंग पर नाका लगाया था। नाके के दौरान अनंतनाग से बोंडियाल्गम की ओर आ रहे एक संदिग्ध व्यक्ति ने पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश की। हालांकि सतर्क नाका टीम ने उसे चतुराई से पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान उसके पास से हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद हुआ। पूछताछ करने पर, आरोपी ने अपनी पहचान इम्तियाज अहमद डार उर्फ क्रिश्चियन पुत्र गुल मोहम्मद डार निवासी नानील, अनंतनाग के रूप में बताई।

इस संबंध में, धारा 8/21 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 149/2026 दर्ज की गई है और जांच शुरू कर दी गई है।

ड्रग तस्कर नारायण शर्मा पर पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला किया दर्ज

सांबा, 20 मई (हि.स.)। अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार में शामिल कुख्यात ड्रग तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सांबा पुलिस ने क्षेत्र में नशीली दवाओं के खतरे को फैलाने में लगातार शामिल होने के लिए नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रॉपिक पदार्थों में अवैध तस्करी की रोकथाम (पीआईटीएनडीपीएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक कुख्यात ड्रग तस्कर पर मामला दर्ज किया है और उसे सेंट्रल जेल कोटभलवाल जम्मू में बंद कर दिया है।

एनडीपीएस अधिनियम के तहत हिरासत में लिए गए कुख्यात ड्रग तस्कर की पहचान नारायण शर्मा उर्फ शुन्ना पुत्र बूता लाल शर्मा निवासी वार्ड नंबर 01 विजयपुर तहसील विजयपुर जिला सांबा के रूप में हुई है। उक्त ड्रग तस्कर जिला सांबा के पुलिस स्टेशन रामगढ़ और पुलिस स्टेशन आर.एस. में एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज कई मामलों में शामिल रहा है।

नगरी में अवैध शराब पर शिकंजा, 3000 लीटर लाहन नष्ट

कठुआ, 20 मई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नगरी क्षेत्र में करीब 3000 लीटर लाहन नष्ट किया।

यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस टीम ने नगरी और आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी कर अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल हो रहे कच्चे माल (लाहन) और भट्टियों को मौके पर ही नष्ट कर दिया।

जानकारी के अनुसार पुलिस पोस्ट नगरी की टीम ने उच्च अधिकारियों के निर्देशन में क्षेत्र में सघन अभियान चलाया। इस दौरान लगभग 3000 लीटर लाहन बरामद की गई जिसे तुरंत नष्ट कर दिया गया। साथ ही अवैध शराब बनाने के लिए लगाए गए अस्थायी उत्पादन केंद्र और उपकरण भी मौके पर ध्वस्त कर दिए गए। एसएसपी मोहिता शर्मा ने कहा कि जिले में नशे और अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे। उन्होंने अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एनसी ने वोट हासिल करने के लिए वादे किए लेकिन उन्हें पूरा करने में विफल रही : डॉ अंद्राबी

श्रीनगर, 20 मई (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ अंद्राबी ने बुधवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) पर दो साल पहले भारी जनादेश मिलने के बावजूद जनता को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र शासित प्रदेश को समय आने पर राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा।

मीडिया से बात करते हुए डॉ. अंद्राबी ने आरोप लगाया कि एनसी ने वोट हासिल करने के लिए वादे किए लेकिन उन्हें पूरा करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि उन्होंने जनता को धोखा दिया। आज वह धोखा देख रहे हैं, आज हर कोई भाजपा का हाथ थामना चाहता है।

उन्होंने दावा किया कि एनसी के कई जमीनी कार्यकर्ता अब भाजपा में शामिल हो रहे हैं जिसका श्रेय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि को दिया।

राज्य के दर्जे के बारे में डॉ. अंद्राबी ने कहा कि संसद में हमारे प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने राज्य के दर्जे के बारे में जो कहा है, ईश्वर की कृपा से वह जरूर होगा लेकिन समय आने पर। उन्होंने पीडीपी और कांग्रेस पर भी हमला करते हुए उन पर जम्मू-कश्मीर के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित रखने का आरोप लगाया।

उन्होंने आगे कहा, ये लोग खुद केंद्र सरकार के पास जाते हैं, लेकिन यहां के लोगों को वंचित रखने की कोशिश कर रहे हैं। आज हर कोई भाजपा के साथ चलना चाहता है, प्रगति और विकास के साथ चलना चाहता है।

मनवाल पुलिस, जम्मू ने एक दिन में 27 मवेशियों को बचाया, तीन एफआईआर

जम्मू, 20 मई (हि.स.)। जम्मू की मनवाल पुलिस चौकी ने मवेशियों की अवैध तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। एक ही दिन में तीन अलग-अलग अभियानों में 27 मवेशियों को बचाया गया। इस अभियान के दौरान तीन एफआईआर दर्ज की गईं और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। ये अभियान मनवाल पुलिस चौकी के प्रभारी संजीत सिंह के पर्यवेक्षण में चलाए गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार विश्वसनीय सूचना के आधार पर जिला उधमपुर के माजलता तहसील के थलोरा होग्गा निवासी धर्म चंद के पुत्र दरविंदर कुमार द्वारा चलाई जा रही महिंद्रा पिक-अप (पंजीकरण संख्या जेके02सी एक्स-0655) को बट्टल धार की ओर कश्मीर की तरफ आते समय रोका गया। जांच के दौरान पुलिस ने 7 मवेशियों (भैंस के बछड़ों) को बचाया। चालक को गिरफ्तार कर लिया गया और वाहन को

मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

एक अन्य अभियान में जम्मू के बन तालाब जिले के पाटिल निवासी अरशद अली के पुत्र मशूम अली द्वारा चलाई जा रही महिंद्रा गाड़ी (पंजीकरण संख्या जेके08के-8405) को बट्टल की ओर मनवाल होते हुए कश्मीर की तरफ जाते समय रोका गया। जाँच के दौरान 10 मवेशी बरामद किए गए। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और गाड़ी जब्त कर ली गई। इसी तरह विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने नाका नाधल के पास पंजीकरण संख्या जेके05एम-2726 वाले एक ट्रक को रोका। जम्मू के नगरोटा जिले के खानपुर निवासी फतेह मोहम्मद के पुत्र मंजूर अहमद द्वारा चलाई जा रही इस गाड़ी में अवैध रूप से 7 गायें और 3 बैल ले जाए जा रहे थे। गाड़ी से कुल 10 मवेशी बरामद किए गए। चालक को गिरफ्तार कर लिया गया और ट्रक को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। कुल मिलाकर मनवाल पुलिस द्वारा एक ही दिन में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 27 मवेशी बरामद किए गए। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए) की धारा 11 के तहत मामले दर्ज किए गए हैं और दैनिक डायरी में संज्ञेय रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/मालभाड़ा, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिये गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदाताओं से फिरोजपुर मण्डल में ई-नीलामी आमंत्रण किया जाता है:

नीलामी सूची सं.	नीलामी शुरू होने का समय और तारीख	कार्य का नाम
EAFZR-DLock-03	02.06.26 को 11:00 Hrs.	फिरोजपुर डिवीजन के फिरोजपुर कैंट और फगवाड़ा रेलवे स्टेशनों पर डिजिटल स्टोरेज लॉकर्स की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अनुबंध।

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जाएं।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1691/26

कश्मीर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर खुर्शीद अंद्राबी ने उपराज्यपाल सिन्हा से की मुलाकात

श्रीनगर, 20 मई (हि.स.)। कश्मीर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर खुर्शीद अंद्राबी ने आज श्रीनगर के लोक भवन में जम्मू और कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रोफेसर खुर्शीद अंद्राबी ने शिक्षा के विभिन्न प्रयासों और सुधारवादी नीतियों पर विस्तार से चर्चा की जिनका उद्देश्य क्षेत्र में शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करना और युवाओं को सशक्त बनाना है

प्रोफेसर अंद्राबी ने शैक्षणिक विकास, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और शिक्षा की समग्र गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रगतिशील शिक्षा नीतियों के महत्व से संबंधित प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

शोपियां जिले के रानीपोरा इलाके में मदरसे के बाहर एक युवक मृत पाया गया

श्रीनगर, 20 मई (हि.स.)। बुधवार को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के रानीपोरा इलाके में एक मदरसे के बाहर एक युवक मृत पाया गया। मृतक की पहचान रसिया निवासी बशीर अली के पुत्र बरकत अली मंटू के रूप में हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि युवक दारुल उलूम के बाहर फांसी पर लटका हुआ मिला। इस घटना ने इलाके में हलचल मचा दी और मौत की खबर फैलने के बाद निवासी और मदरसे से जुड़े लोग इकट्ठा हो गए। मौत के कारण आभी तक स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना के तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

पुलिस ने बटागुंड वेरिनाग में अवैध भुक्की की खेती को किया नष्ट

श्रीनगर, 20 मई(हि.स.)। नशीले पदार्थों की अवैध खेती के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुए अनंतनाग पुलिस ने गांव बटागुंड, वेरीनाग में अवैध रूप से उगाए गए भुक्की को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पुलिस पोस्ट वेरीनाग द्वारा की गई। अवैध रूप से उगाई गई फसल को नियमानुसार मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

जन भागीदारी से सशक्त होगा जनजातीय समाज-बरनोटी ब्लॉक में जनभागीदारी कैंपों की श्रृंखला आयोजित

कठुआ, 20 मई (हि.स.)। जन भागीदारी-सबसे दूर सबसे पहले' अभियान के तहत जिला प्रशासन कठुआ द्वारा बरनोटी ब्लॉक के विभिन्न पंचायतों में जनजातीय समुदाय के लिए जनभागीदारी कैंपों का आयोजन किया गया।

पंचायत फ्लोट-ए, माही चक और हार्दो मुठी में आयोजित इन कैंपों का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना, पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और ग्रामीण स्तर पर जनसंपर्क को मजबूत करना रहा। कैंपों में जनजातीय समुदाय, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वास्थ्य, कृषि, समाज कल्याण, ग्रामीण विकास, पशुपालन और शिक्षा सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी तथा मौके पर ही सेवाएं उपलब्ध कराईं। अधिकारियों ने लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पेंशन, रोजगार, कृषि और जनजातीय कल्याण से जुड़ी योजनाओं के बारे में जागरूक किया और पात्र लाभार्थियों को तत्काल सहायता व मार्गदर्शन प्रदान किया। यह पहल उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा के निर्देशों पर चलाई जा रही है जिसका उद्देश्य दूरदराज और वंचित क्षेत्रों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना और जनजातीय समुदाय को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। अभियान की निगरानी डीपीओ आईसीडीएस मोहम्मद सैयद खान द्वारा की जा रही है।

नशा मुक्त अभियान के तहत जागरूकता गतिविधियां बांदीपोरा में जारी

बांदीपोरा, 20 मई। चल रहे नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान के तहत जागरूकता और जनसंपर्क गतिविधियां बुधवार को बांदीपोरा जिले में जारी रहीं। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में जीवन कौशल सत्र, नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम, शपथ समारोह, योग सत्र और प्रेरणादायक व्याख्यान आयोजित किए गए। एच एस एस गडाखुद, पी एम श्री एच एस एस शादीपोरा, एच एस एस सुंबल, एच एस एस पी टी एल गुरेज, एच एस एस क्विलमुकाम, एच/एस केटसन, जी एच एस नदीहाल, जी एच एस नईदखाई, जी एच एस हाजिन, हाई स्कूल पनार और पी एम श्री जी एच एस ओडीना सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जीवन कौशल, निर्णय लेने की क्षमता, साथियों के दबाव से निपटने और नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता पर केंद्रित गतिविधियां आयोजित की गईं।

GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR
DIRECTORATE OF INDUSTRIES AND COMMERCE
(REGTSTRAR Of SOCIETIES/FIRMS JAMMU)
1st Floor, Jawahar Lal Nehru Udyog Bhawan, Rail Head Complex, Jammu.
(Telephone/Fax- 24740851

PUBLIC NOTICE

The society namely, " Jagriti Mahilla Udyog Kendra" located at 653,Ashok Nagar,Satwari, Jammu was registered with the office of Registrar of Societies,Jammu under erstwhile societies registration Act 1998 under registration No. 4782-5 of 2005 dated 06th August 2005

S. No	Name with Parentage	Occupation	Designation in Society
1	Smt. veena Kumari W/o Tarun Dutta R/o H.No. 653, Ashok Nagar, Satwari, Jammu.	Business	President
2	Smt. Rajni Devi W/o Om Parkash R/o H.No. 27, Sheikh Nagar, Bahu Fort, Jammu.	Business	Treasurer
3	S. Bikram Singh S/o Sadhu Singh R/o Anand Vihar,Bhori,Talab Tillo,Jammu	Self Employee	Secretary
4	Sh. Subash Chander Babbar S/o Amir Cahand Babbar R/o H.No. 211, Sector-2, Shivalikpuram, Janipur Colony, Jammu.	Business	Gen. Member
5	Smt. Jyoti Devi W/o Ghani Shayam R/o Ward No. 48, Gorakh Nagar, Bahu Fort, Jammu.	House Wife	Member
6	Smt. Veena Rani W/o Rattan Lal R/o Lane No. 02,Kacha Talab,Bahu Fort,Jammu.	House Wife	Member
7	Sh. Om Parkash S/o Thoru Ram R/o H.No. 528, Gorakha Nagar,Bahu Fort,Jammu.	Business	Member

Now, the below mentioned members with Smt. Veena Kumari as President of the said society have applied for re-registration of society in the office of Registrar of Society under Society Registration Act, 1860. Objections if any, from individual, Institution, State or Semi State Government organization may kindly be communicated to the office of Registrar of Societies (Director, Industries and Commerce) 1', Floor Jawahar Lal Nehru Udyog Bhawan, Rail Head Complex, Jammu by post or in person within a period of 10 days from the date of publication of this notice in the news paper.

DIP/J-2372/26
Dtd: 20-5-2026

Sd/-
Joint Director (M&P)
Dte' of Industries and Commerce,
Jammu.

संपादकीय

जे पी डी सी एल की आकस्मिक योजना कहाँ है?

हाल ही में जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (जे पी डी सी एल) द्वारा जारी बयान में कहा गया कि चिनाब बेसिन की नदियों में पानी के कम बहाव के कारण बिजली उत्पादन पर गंभीर असर पड़ा है, जिससे क्षेत्र में बिजली कटौती हो रही है। यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि निगम पूरी तरह से अप्रस्तुत रहा और स्थिति गंभीर होने के बाद ही नींद से जागा, जब लोगों को बिना शेड्यूल के बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है।

यह एक सामान्य बात है कि साल के इस समय, जब गर्मी अपने चरम पर होती है और क्षेत्र भीषण तापमान झेल रहा होता है, तब बिजली की मांग बेहद अधिक रहती है। इसी दौरान केंद्र शासित प्रदेश की नदियों में वर्षा की कमी के कारण जलस्तर भी घट जाता है। जिम्मेदार अधिकारियों को समय रहते कोई ठोस आकस्मिक योजना तैयार करनी चाहिए थी ताकि बिजली संकट से बचा जा सके, न कि अब बयान जारी कर अपनी असमर्थता जताई जाए।

आमतौर पर मई और जून के महीने शुष्क रहते हैं क्योंकि मानसून जुलाई में आता है। यदि सरकार के पास जम्मू क्षेत्र में गर्मियों के चरम महीनों के दौरान बिजली संकट से निपटने के लिए कोई वैकल्पिक योजना नहीं है, जबकि तापमान अक्सर 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाता है, तो यह कहा जा सकता है कि जिम्मेदार लोगों ने अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से नहीं निभाई। इस समय पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है और ऐसा न कर पाने से संबंधित विभागों की अक्षमता उजागर होती है।

लोगों से बिजली का संयमित उपयोग करने की अपील करना समझ में आता है, लेकिन बिजली उपलब्ध न कर पाने के लिए यह कहना कि मांग और उपलब्धता के बीच अंतर बढ़ गया है, उचित नहीं ठहराया जा सकता। जे पी डी सी एल केवल अनुकूल परिस्थितियों में बिजली उपलब्ध कराने के लिए नहीं बना है। संकट के समय लोगों से बिजली बचाने की अपील करना आसान है, लेकिन व्यवस्था बनाए रखना निगम की जिम्मेदारी है।

यह भी हैरानी की बात है कि जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (जे पी डी सी एल) ने अपने उपभोक्ताओं को आश्वासन दिया है कि अतिरिक्त बिजली खरीदने और आपूर्ति की कमी को दूर करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, क्योंकि यह बिजली संकट आमतौर पर मानसून आने तक जारी रहता है। यही वह समय है जब निगम को अपनी कार्यक्षमता साबित करनी चाहिए और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए।

मानसून शुरू होने के बाद स्वाभाविक रूप से बिजली की मांग कम हो जाएगी। इसलिए जरूरी है कि जे पी डी सी एल युद्ध स्तर पर इस मुद्दे को उठाए और भीषण गर्मी झेल रहे लोगों को राहत प्रदान करे। साथ ही, बहाने बनाने की बजाय तुरंत समाधान निकालने की दिशा में गंभीर प्रयास करे ताकि निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

ग्रेट निकोबार- क्या राष्ट्रहित से ऊपर है कांग्रेस की राजनीति

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कांग्रेस लगातार यह प्रचारित करने की कोशिश कर रही है कि इस परियोजना से बड़े स्तर पर पर्यावरण को नुकसान होगा किंतु वास्तविकता इससे भिन्न है। यह परियोजना ईआईए अधिसूचना 2006 और आईसीआरजेड अधिसूचना 2019 के तहत सभी आवश्यक पर्यावरणीय मंजूरियां प्राप्त कर चुकी है। इसके लिए विस्तृत पर्यावरण प्रभाव आकलन किया गया है, जिसमें भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, भारतीय विज्ञान संस्थान, वन्यजीव संस्थान और सैकॉन जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने अध्ययन किया है।

आज जब भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में अपनी पहचान बना रहा है, तब देश को मजबूत सामरिक ढांचा, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक व्यापारिक क्षमता की भी आवश्यकता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को अपने समुद्री हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करना समय की मांग है। ऐसे समय में ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के सामरिक, आर्थिक और वैश्विक भविष्य की आधारशिला है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस इस परियोजना का लगातार विरोध कर रही है।

वस्तुत- कभी पर्यावरण के नाम पर, कभी आदिवासी हितों के नाम पर और अब राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर प्रश्न उठाकर कांग्रेस ऐसे प्रोजेक्ट को रोकने की कोशिश कर रही है, जो भविष्य में भारत को समुद्री शक्ति, व्यापारिक आत्मनिर्भरता और सामरिक मजबूती प्रदान करने का कारण बनेगा। सवाल यह है कि क्या वास्तव में कांग्रेस को पर्यावरण और जनजातीय समाज की इतनी चिंता है या फिर यह मोदी सरकार का विरोध करने की योजनाबद्ध मानसिकता है?

विरोध नहीं, यह विकास रोकने की राजनीति है

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर ग्रेट निकोबार परियोजना के मौजूदा स्वरूप पर पुनर्विचार की मांग की है।

उनका तर्क है कि ट्रांसशिपमेंट पोर्ट और टाउनशिप जैसी योजनाएं सैन्य क्षमता नहीं बढ़ातीं और पर्यावरण तथा आदिवासी समुदायों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। ऐसे में यहां स्वभाविक प्रश्न उभरता है कि यदि कांग्रेस को विकास परियोजनाओं से इतना ही परहेज है, तब अपने दशकों लंबे शासनकाल में उसने देशभर में हजारों बड़े बांध, बंदरगाह, औद्योगिक कॉरिडोर, राजमार्ग और शहरी परियोजनाएं क्यों शुरू कीं?

क्या तब पर्यावरण और जनजातीय हित याद नहीं आए? क्या उस समय पर्यावरण का नुकसान नहीं हो रहा था? असल सच्चाई यह है कि कांग्रेस का यह विरोध सिद्धांत आधारित न होकर सिर्फ राजनीति से प्रेरित है। यदि यही परियोजना कांग्रेस सरकार लेकर आती, तो वही नेता इसे भारत के भविष्य का द्वार बताते।

ग्रेट निकोबार- भारत का सामरिक कवच

ग्रेट निकोबार द्वीप की स्थिति हिंद महासागर क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पूर्व-पश्चिम अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग से मात्र लगभग 40 नॉटिकल मील की दूरी पर स्थित है। दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापारिक मार्गों में से एक के इतना निकट होना भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अमूल्य अवसर है।

आज भारत का बड़ा हिस्सा विदेशी ट्रांसशिपमेंट बंदरगाहों जैसे कोलंबो, सिंगापुर और क्लांग पर निर्भर है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत का व्यापारिक और सामरिक हित दूसरे देशों की बंदरगाह नीतियों पर निर्भर रहता है। ग्रेट निकोबार परियोजना इस निर्भरता को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम है। हमें समझना होगा कि 14.2 मिलियन टीईयू क्षमता वाला इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल भारत को समुद्री व्यापार में आत्मनिर्भर बनाएगा। यह आर्थिक परियोजना होने के साथ चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता के सामने भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करने वाला कदम है।

क्या कांग्रेस को दिखाई नहीं देता कि भारत के पड़ौसी देश अपनी सामरिक शक्ति एवं अन्य शक्तियां बढ़ाने के लिए क्या कर रहे हैं? जब चीन हिंद महासागर क्षेत्र में लगातार अपने बंदरगाह नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, तब भारत यदि अपनी सामरिक क्षमता बढ़ाता है तो कांग्रेस को इसमें समस्या क्यों दिखाई देती है? कांग्रेस का कहना है कि केवल आईएनएस बाज या अन्य सैन्य परिसंपत्तियों के विस्तार से काम चल सकता है। लेकिन क्या भारत जैसे विशाल और उभरते हुए राष्ट्र को केवल काम चलाने वाली मानसिकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए?

उम्मीद से अधिक नहीं किंतु यह तो कांग्रेस समझ ही सकती है कि 150 करोड़ की जनसंख्या वाले भारत को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है। यदि भारत को वैश्विक व्यापार, नौसैनिक शक्ति और समुद्री रणनीति में अग्रणी बनना है, तो उसे विश्वस्तरीय बंदरगाह, एयरपोर्ट और आधुनिक शहरी ढांचे की आवश्यकता होगी। कांग्रेस शायद यह भूल रही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सैन्य अड्डों के साथ ही मजबूत आर्थिक और लॉजिस्टिक क्षमता से भी सुनिश्चित होती है। ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एयरपोर्ट और टाउनशिप, ये सभी मिलकर भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थायी रणनीतिक बढ़त दिलाएंगे।

पर्यावरण के नाम पर भ्रम फैलाती कांग्रेस

कांग्रेस लगातार यह प्रचारित करने की कोशिश कर रही है कि इस परियोजना से बड़े स्तर पर पर्यावरण को नुकसान होगा किंतु वास्तविकता इससे भिन्न है। यह परियोजना ईआईए अधिसूचना 2006 और आईसीआरजेड अधिसूचना 2019 के तहत सभी आवश्यक पर्यावरणीय मंजूरियां प्राप्त कर चुकी है। इसके लिए विस्तृत पर्यावरण प्रभाव आकलन किया गया है, जिसमें भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, भारतीय विज्ञान संस्थान, वन्यजीव संस्थान और सैकॉन जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने अध्ययन किया है।

परियोजना के अंतर्गत 42 अनिवार्य पर्यावरणीय शर्तें लागू की गई हैं। द्वीप के केवल 1.82 प्रतिशत वन क्षेत्र का उपयोग किया जाएगा और इसके बदले 97.30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में क्षतिपूर्ति वनीकरण किया जाएगा। इतना ही नहीं, 65.99 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ग्रीन जोन के रूप में संरक्षित रखा जाएगा, जहां एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा। क्या कांग्रेस यह बताना चाहेगी कि उसके शासनकाल में बनी परियोजनाओं में इतने व्यापक पर्यावरणीय सुरक्षा प्रावधान कितनी बार देखने को मिले थे?

आदिवासी हितों पर राजनीति बंद होनी चाहिए

कांग्रेस यह आरोप लगा रही है कि परियोजना से शोंपेन और निकोबारी समुदाय प्रभावित होंगे किंतु सही तथ्य यह है कि परियोजना में किसी भी जनजातीय समुदाय के विस्थापन का प्रस्ताव नहीं है। परियोजना के अंतर्गत जनजातीय आरक्षित क्षेत्र में शुद्ध वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है। 73.07 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को डी-नोटिफाई करने के बदले 76.98 वर्ग किलोमीटर नई भूमि को पुनः जनजातीय आरक्षित क्षेत्र घोषित किया जा रहा है। यानी कुल आरक्षित क्षेत्र में वृद्धि होगी।

इसके अतिरिक्त, जनजातीय हितों की निगरानी के लिए स्वतंत्र समितियां गठित की गई हैं और जनजातीय कार्य मंत्रालय, एएजेवीएस तथा भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण जैसे संस्थानों से विस्तृत परामर्श किया गया है। यदि वास्तव में सरकार आदिवासी विरोधी होती, तब क्या इतनी संवेदनशील और निगरानी आधारित व्यवस्था तैयार की जाती?

भारत को आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बनाना अपराध नहीं

आज विश्व तेजी से बदल रहा है। समुद्री व्यापार, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और सामरिक समुद्री मार्ग आने वाले दशकों की शक्ति का निर्धारण करेंगे। भारत यदि इस दिशा में निर्णायक कदम उठा रहा है तो उसका स्वागत होना चाहिए, न कि राजनीतिक विरोध। मोदी सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है कि भारत को आत्मनिर्भर, सामरिक रूप से मजबूत और आर्थिक रूप से शक्तिशाली बनाना है। ग्रेट निकोबार परियोजना उसी दृष्टि का हिस्सा है।

विकास और पर्यावरण साथ-साथ चलते हैं

वस्तुत- आज ग्रेट निकोबार परियोजना यह सिद्ध करती है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक मूल्यांकन और चरणबद्ध विकास के माध्यम से दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है। गैस और सौर ऊर्जा आधारित हाइब्रिड पावर प्लांट, पर्यावरण प्रबंधन योजना, आपदा प्रबंधन ढांचा और जैव विविधता संरक्षण उपाय यह दर्शाते हैं कि सरकार दीर्घकालिक सतत विकास की सोच के साथ आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस समझे, राष्ट्रहित सर्वोपरि

ऐसे में कहना यही होगा कि ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के भविष्य की परियोजना है। यह सिर्फ एक बंदरगाह या एयरपोर्ट का निर्माण नहीं हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की शक्ति, प्रतिष्ठा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। कांग्रेस यदि वास्तव में राष्ट्रहित की राजनीति करना चाहती है तो उसे हर राष्ट्रीय परियोजना का अंधा विरोध बंद कर देना चाहिए। ध्यान रहे- आलोचना होनी चाहिए, सुझाव भी दिए जाने चाहिए पर विकास को रोकने और देश को कमजोर करने वाली मानसिकता किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

भारत अब 20वीं सदी की सोच से आगे निकल चुका है। यह नया भारत है, जो पर्यावरण का संरक्षण भी करना जानता है, आदिवासी हितों का सम्मान भी करता है और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता भी देता है। स्वभाविक है कि ग्रेट निकोबार परियोजना इसी नए भारत की महत्वाकांक्षा, क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक है, जिसे हर हाल में पूरा होना ही चाहिए, इसी में हम सभी भारतीयों का हित निहित है।

एशियाई उत्पादकता संगठन के शासी निकाय के 68वें सत्र की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, 20 मई । भारत एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) के शासी निकाय के 68वें सत्र की बैठक इस हफ्ते भारत मंडपम में 20 से 22 मई तक होने वाली है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 21 मई को इस बैठक के उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम की मेजबानी भारत करेगा। इस सत्र में 20 एपीओ सदस्य देशों के 60 से अधिक वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग लेंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में एपीओ विजन 2030 फ्रेमवर्क, 2027-28 की द्विवर्षीय अवधि के लिए एपीओ के प्रारंभिक बजट और एपीओ महासचिव चुनाव प्रक्रियाओं की समीक्षा पर उच्च स्तरीय चर्चाएं होंगी। एपीओ की 68वीं शासी निकाय की बैठक के दौरान उत्पादकता के पैरोकारों और तकनीकी विशेषज्ञों को एपीओ राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

एपीओ के निदेशक, सलाहकार, एपीओ सदस्य देशों के राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधि और आमंत्रित अतिथियों के भी इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। इसके साथ ही कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और भूटान की सरकारों के पर्यवेक्षकों के साथ-साथ ग्लोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि भी इसमें भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि 1961 में स्थापित एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 21 सदस्य देशों से मिलकर बना एक अंतर-सरकारी संगठन है। एपीओ शासी निकाय के 68वें सत्र की मेजबानी करना राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक आर्थिक रुझानों के अनुरूप क्षेत्र में उत्पादकता-आधारित विकास, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 118 अंक उछला

नई दिल्ली, 20 मई (हि.स.)। पश्चिम एशिया संकट एवं कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट से उबरकर बढ़त के साथ बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में उछाल से बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 117 अंक उछला, जबकि निफ्टी में 41 अंक की तेजी रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 117.54 अंक यानी 0.16 फीसदी की उछाल के साथ 75,318.39 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक समय यह 671.44 अंक यानी 0.89 फीसदी टूटकर 74,529.41 के स्तर तक आ गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 41 अंकों यानी 0.17 फीसदी की तेजी के स्तर 23,659 पर पहुंच गया। आज के कारोबार में ऑटो, रियल्टी और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स की कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.83 फीसदी उछला। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, एक्सिस बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी बढ़त में रहे। वहीं, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक महिंद्रा, इटर्नल और टाटा स्टील के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। वहीं, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड करीब दो फीसदी गिरकर 109 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एशिया के अन्य शेयर बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र में तेजी के रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। विश्लेषकों के मुताबिक, कच्चे तेल और रुपये में कमजोरी से जुड़ी चिंताओं के बावजूद कारोबारी सत्र के अंतिम घंटे की लिवाली ने शेयर बाजार को समर्थन देने का काम किया। जानकारों ने बताया कि अंतिम घंटे की खरीदारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में उछाल से बुधवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट से उबरकर बंद हुए। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 114.19 अंक यानी 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ 75,200.85 के स्तर पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 31.95 अंक यानी 0.14 फीसदी लुढ़क कर 23,618 अंक पर रहा था।

बदलते फैशन, बदलती सोच और समाज की असली चिंता

- डॉ. सत्यवान सौरभ

समाज में समय के साथ बहुत कुछ बदलता है। भाषा बदलती है, रहन-सहन बदलता है, तकनीक बदलती है और पहनावा भी बदलता है। हर युग की अपनी पहचान होती है। कभी घूँघट और साड़ी को आदर्श माना गया, फिर सलवार-सूट सामान्य हुआ, उसके बाद जींस और आधुनिक परिधान युवाओं की पसंद बने। आज सोशल मीडिया और वैश्विक संस्कृति के प्रभाव से फैशन लगातार नए रूप ले रहा है। ऐसे में स्वाभाविक है कि समाज में इस बदलाव को लेकर चर्चा भी हो और मतभेद भी।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्टर तेजी से वायरल हुआ जिसमें महिलाओं के पहनावे में आए बदलाव को फसंस्कारों की हारफ और फनग्न होती नारीफ जैसे शब्दों से जोड़ा गया। पोस्टर में 1980 से 2025 तक के फैशन परिवर्तन को दिखाकर यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि आधुनिकता ने भारतीय संस्कृति को कमजोर कर दिया है। यह विषय केवल कपड़ों का नहीं बल्कि समाज की सोच, मानसिकता, स्वतंत्रता, नैतिकता और स्त्री के प्रति दृष्टिकोण का भी है। इसलिए इस विषय पर गंभीर और संतुलित चर्चा आवश्यक है।

सबसे पहले यह समझना होगा कि पहनावा केवल शरीर ढँकने का माध्यम नहीं होता बल्कि यह संस्कृति, मौसम, सुविधा, पेशा, परिवेश और व्यक्तिगत पसंद का भी हिस्सा होता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग राज्यों की महिलाओं का पहनावा सदियों से भिन्न रहा है। कहीं साड़ी प्रमुख रही, कहीं घाघरा-चोली, कहीं मेखला, कहीं फुलकारी और कहीं सलवार-सूट। यदि परंपरा ही एकमात्र मानदंड होती, तो इतने विविध रूप कभी विकसित नहीं होते। इसका अर्थ स्पष्ट है कि समाज हमेशा बदलता रहा है और पहनावे में परिवर्तन कोई नई घटना नहीं है।

आज की युवा पीढ़ी ऐसे दौर में जी रही है जहाँ वैश्विक संस्कृति का प्रभाव पहले से कहीं अधिक है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, फिल्मों, वेब सीरीज और सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटे से मंच में बदल दिया है। फैशन अब महानगरों तक सीमित नहीं रहा बल्कि गाँवों और कस्बों तक पहुँच चुका है। ऐसे में युवाओं का नए पहनावे की ओर आकर्षित होना अस्वाभाविक नहीं है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब इस बदलाव को सीधे फचरित्रफ, फसंस्कारफ और फनैतिकताफ से जोड़ दिया जाता है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग महिलाओं के कपड़ों को ही उनकी मर्यादा का पैमाना मानता है। यदि कोई लड़की आधुनिक कपड़े पहनती है तो उसके संस्कारों पर प्रश्न उठा दिए जाते हैं, जबकि वही समाज पुरुषों के पहनावे को इतनी कठोर दृष्टि से नहीं देखता। यह दोहरा मापदंड लंबे समय से हमारे समाज में मौजूद है। सवाल यह है कि क्या किसी व्यक्ति का चरित्र केवल उसके वस्त्र तय करते हैं? यदि ऐसा होता, तो अपराध कभी परंपरागत कपड़े पहनने वालों द्वारा नहीं किए जाते। वास्तविकता यह है कि नैतिकता मनुष्य के व्यवहार, सोच और कर्मों से निर्धारित होती है, न कि केवल उसके पहनावे से।

हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि आधुनिकता और अश्लीलता दोनों अलग बातें हैं। हर आधुनिक परिधान अश्लील नहीं होता और हर पारंपरिक वस्त्र संस्कारों की गारंटी नहीं देता। कई बार समाज अपनी असहजता को फसंस्कृति की रक्षाफ का नाम देकर प्रस्तुत करता है। जबकि असली चुनौती कपड़ों से अधिक मानसिकता की है। यदि किसी महिला को सड़क पर असुरक्षा महसूस होती है, तो उसके पीछे कारण उसके वस्त्र नहीं बल्कि समाज के कुछ लोगों की विकृत सोच है।

यह भी सच है कि फैशन उद्योग और सोशल मीडिया ने शरीर को प्रदर्शन की वस्तु की तरह प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। लाइक्स, फॉलोअर्स और वायरल होने की होड़ में कई बार लोग सीमाओं को भूल जाते हैं। बाजारवाद ने सुंदरता को एक उत्पाद बना दिया है। युवाओं पर आकर्षक दिखने का दबाव बढ़ा है। यह चिंता का विषय अवश्य है क्योंकि इससे आत्मविश्वास की जगह दिखावे की संस्कृति मजबूत होती है। परंतु इसका समाधान महिलाओं को दोष देना नहीं, बल्कि समाज में संतुलित और स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करना है।

परिवार और शिक्षा की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि बच्चों को बचपन से ही सम्मान, समानता और संवेदनशीलता के संस्कार दिए जाएँ, तो वे किसी व्यक्ति को उसके कपड़ों से नहीं बल्कि उसके व्यक्तित्व से पहचानेंगे। लड़कों को यह सिखाना अधिक आवश्यक है कि महिलाओं का सम्मान करें, बजाय इसके कि लड़कियों को हर समय अपने पहनावे के लिए दोषी महसूस कराया जाए।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता और सहनशीलता रही है। हमारी सभ्यता ने हमेशा परिवर्तन को अपनाया है। कभी महिलाओं की शिक्षा का विरोध हुआ, फिर वही शिक्षा समाज की शक्ति बनी। कभी नौकरी करने वाली महिलाओं को गलत माना गया, आज वही महिलाएँ परिवार और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं इसलिए केवल बदलाव के आधार पर किसी चीज को गलत ठहराना उचित नहीं कहा जा सकता।

हालाँकि इसका अर्थ यह भी नहीं कि समाज में मर्यादा और संतुलन का कोई महत्व नहीं रह गया। स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। हर व्यक्ति को अपने परिवेश, अवसर और सामाजिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। लेकिन यह निर्णय भय या दबाव से नहीं बल्कि समझ और आत्मसम्मान से होना चाहिए। संस्कार का अर्थ बंधन नहीं बल्कि विवेक है।

सोशल मीडिया के इस युग में संवाद की जगह आरोपों ने ले ली है। लोग तुरंत किसी की तस्वीर देखकर निर्णय सुना देते हैं। महिलाओं के पहनावे पर बहस करना आसान है लेकिन महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार और समान अवसरों पर गंभीर चर्चा कम होती है। यदि समाज वास्तव में संस्कृति और भविष्य को लेकर चिंतित है तो उसे सबसे पहले महिलाओं के प्रति सम्मानजनक वातावरण बनाना होगा।

हमें यह समझना होगा कि संस्कृति केवल कपड़ों में नहीं रहती। संस्कृति हमारे व्यवहार, भाषा, परिवारिक मूल्यों, बुजुर्गों के सम्मान, ईमानदारी, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी में बसती है। यदि कोई व्यक्ति आधुनिक कपड़े पहनकर भी दूसरों का सम्मान करता है, अपने कर्तव्यों का पालन करता है और मानवीय मूल्यों को महत्व देता है तो वह उतना ही संस्कारी है जितना कोई पारंपरिक वस्त्र पहनने वाला व्यक्ति।

आज आवश्यकता किसी एक पक्ष को सही या गलत साबित करने की नहीं, बल्कि संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की है। न अंधी आधुनिकता उचित है और न ही कट्टर सोच। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि नई पीढ़ी अपनी पसंद और पहचान के साथ जीना चाहती है। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि आत्मविश्वास केवल फैशन से नहीं, बल्कि ज्ञान, व्यक्तित्व और व्यवहार से आता है।

महिलाओं को सम्मान देना केवल देवी कह देने से पूरा नहीं होता। वास्तविक सम्मान तब होगा जब उन्हें अपने जीवन, शिक्षा, करियर और पहनावे के निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलेगी। यदि कोई महिला साड़ी पहनना चाहती है तो वह उसका अधिकार है और यदि कोई जींस पहनना चाहती है तो वह भी उसका अधिकार है। समाज का कार्य निर्णय थोपना नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बनाना होना चाहिए।

अंततः, बदलते फैशन को देखकर घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर पीढ़ी अपने समय के अनुसार जीवन जीती है। हमें केवल इतना सुनिश्चित करना है कि आधुनिकता के बीच मानवीय मूल्य कमजोर न हों। संस्कृति तब तक जीवित रहती है जब तक समाज में सम्मान, संवेदना और नैतिकता बनी रहती है। कपड़े बदल सकते हैं लेकिन यदि हमारी सोच संतुलित और मानवीय बनी रहे तो समाज कभी फनग्नफ नहीं होगा। असली संकट वस्त्रों का नहीं, दृष्टि का है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने सीरीज के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

एजेंसी

भोपाल । भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑरोरा कोवासेविच (8') के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने जल्द जवाब दिया और कप्तान स्वीटी कुजूर (13') ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले पहला गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत की दीया (25') ने गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम हाफटाइम तक 2-1 से आगे रही। भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में नियंत्रण बनाए रखा और तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज (44') के गोल से अपनी बढ़त 3-1 की कर ली। नौशीन नाज (50') ने आखिरी क्वार्टर में एक और गोल किया और भारत की बढ़त 4-1 करते हुए जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम के लिए यह जीत बहुत अहम रही। इस जीत के बाद इस महीने के आखिर में जापान में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि 4 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से जीत दर्ज की। सीरीज के पहले मैच में भारत को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौड़ ने मुश्किल दौर से उबरने में की मदद : विराट कोहली

नई दिल्ली,। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने खुलासा किया है कि कप्तानी छोड़ने के बाद अपने कठिन दौर में पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने उन्हें मानसिक रूप से काफी सहारा दिया। कोहली ने कहा कि दोनों ने उनका इस तरह ख्याल रखा कि उनके भीतर फिर से क्रिकेट का आनंद लेने की भावना लौट आई। बेंगलुरु में आयोजित आरसीबी इनोवेशन लैब इंडियन स्पोर्ट्स समिट के दौरान कोहली ने कहा कि टेस्ट कप्तानी छोड़ने के बाद का समय उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था। 2020 से 2022 के बीच वह टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय तक शतक नहीं लगा सके थे। कोहली ने कहा, 'मैं कई बार यह बात कह चुका हूं कि राहुल भाई और विक्रम राठौड़ ने मेरे लिए जो किया, उसके लिए मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा। उन्होंने मेरा इस तरह ख्याल रखा कि मेरे भीतर उनके लिए खेलने, मेहनत करने और खुद को बेहतर साबित करने की इच्छा पैदा हुई।' उन्होंने कहा कि दोनों कोच लगातार उन्हें उनकी उपलब्धियों की याद दिलाते रहे, क्योंकि खिलाड़ी अक्सर अपने सफर और उपलब्धियों पर ध्यान नहीं दे पाते। कोहली ने बताया कि एक खिलाड़ी के भीतर हमेशा असुरक्षा की भावना बनी रहती है। उन्होंने कहा, 'आज भी जब मैं नेट्स में जाता हूं तो सोचता हूं कि युवा खिलाड़ी मुझे देख रहे हैं। अगर मेरा सत्र खराब रहा तो वे सोच सकते हैं कि क्या यही खिलाड़ी 20 साल से क्रिकेट खेल रहा है। यह भावना हमेशा रहती है।

क्विंटन डी कॉक और राज अंगद बावा आईपीएल 2026 से बाहर

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अंतिम चरण में बड़ा झटका लगा है। टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक और ऑलराउंडर राज अंगद बावा चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और अब टीम को अपने बाकी दो मुकाबलों में इन दोनों खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिलेंगी। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से पहले बाएं हाथ की कलाई में टेंडन चोट लगी थी। वहीं चंडीगढ़ के युवा ऑलराउंडर राज अंगद बावा को पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच के दौरान दाएं अंगूठे में लिगामेंट चोट आई। मुंबई इंडियंस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों खिलाड़ी फिलहाल अपने घर पर रहकर चोट से उबर रहे हैं। टीम प्रबंधन आईपीएल के नियमों के अनुसार जल्द ही उनके विकल्पों की घोषणा करेगा। क्विंटन डी कॉक ने इस सीजन मुंबई के लिए आखिरी मैच 23 अप्रैल को खेला था। उन्होंने तीन पारियों में 132 रन बनाए, जिसमें पंजाब किंग्स के खिलाफ नाबाद 112 रन की शानदार पारी शामिल रही। वहीं 23 वर्षीय राज अंगद बावा ने इस सीजन मुंबई इंडियंस के लिए तीन मुकाबले खेले। पूर्व अंडर-19 भारतीय खिलाड़ी बावा पिछले सीजन में भी तीन मैचों में नजर आए थे।

स्पोर्ट्स कॉलेज में दाखिले के लिए खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में खिलाड़ियों का उत्साह देखने लायक रहा। मुरादाबाद और बरेली मंडल के नौ जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने सत्र 2026-27 के लिए आयोजित प्रारंभिक चयन परीक्षा और ट्रायल्स में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि ट्रायल्स में बरेली मंडल के बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर और बरेली जिले के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जबकि मुरादाबाद मंडल से संभल, अमरोहा, बिजनौर, रामपुर और मुरादाबाद के खिलाड़ी मैदान में उतरे। खिलाड़ियों का चयन स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ, गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर और सहारनपुर में प्रवेश के लिए किया जाएगा। क्रीड़ाधिकारी ने आगे बताया कि क्षेत्रीय खेल कार्यालय सोनकपुर मुरादाबाद मंडल से 71 लड़के और 10 लड़कियों ने भाग लिया। वहीं बरेली मंडल से 59 लड़के और 12 लड़कियों ने प्रतिभा दिखाई।

आर्सेनल ने जीता प्रीमियर लीग 2025-26 का खिताब, मैनचेस्टर सिटी की ड्रॉ के बाद हुई पुष्टि

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्सेनल ने प्रीमियर लीग 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया है। बुधवार को मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त होने के बाद आर्सेनल की ट्रॉफी जीत पक्की हो गई। इस ड्रॉ के बाद पेप गार्डियोला की टीम मैनचेस्टर सिटी के 78 अंक हो गए हैं, जबकि आर्सेनल के 82 अंक हैं। लीग में अब सिर्फ एक मुकाबला बचा है, ऐसे में सिटी अब आर्सेनल को पीछे नहीं छोड़ सकती। आर्सेनल ने पिछली बार 2003-04 सीजन में प्रीमियर लीग का खिताब जीता था। उस ऐतिहासिक 'इनविंसिबल' सीजन में टीम ने आर्सेन वेंगर की कोचिंग में पूरे सीजन में एक भी मैच नहीं गंवाया था। इस सीजन आर्सेनल के लिए विक्टर ग्योकेरेस ने सबसे ज्यादा 14 गोल किए। वहीं मार्टिन ओडेगार्ड और लिएंड्रो ट्रोसार्ड ने छह-छह असिस्ट देकर टीम की सफलता में अहम योगदान दिया।

गोलकीपर डेविड राया ने 19 क्लीन शीट के साथ लगातार तीसरी बार गोल्डन ग्लव अवॉर्ड अपने नाम किया। यह आर्सेनल के मुख्य कोच मिकेल आर्टेटा का भी पहला लीग खिताब है। आर्टेटा ने 2019 में क्लब की कमान संभाली थी। इससे पहले वह साढ़े तीन वर्षों तक पेप गार्डियोला के सहायक कोच रहे थे। प्रीमियर लीग खिताब जीतने के बाद अब आर्सेनल की नजर यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 के फाइनल पर होगी, जहां उसका सामना मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा।

गुवाहाटी में भारतीय क्रिकेट टीम में खिलाड़ियों के चयन को लेकर बीसीसीआई की महत्वपूर्ण बैठक

एजेंसी

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के चयन को लेकर गुवाहाटी में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें आगामी जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट और एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम चयन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद बीसीसीआई अधिकारियों ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चयन प्रक्रिया और आगामी श्रृंखला की तैयारियों की जानकारी दी। बीसीसीआई के सचिव देवजीत लोन सैकिया के अनुसार चयनकर्ताओं ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन, फिटनेस और टीम संयोजन को लेकर विचार-विमर्श किया। बताया गया है कि अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे दोनों श्रृंखलाओं के लिए खिलाड़ियों के

नामों की आधिकारिक घोषणा आज ही की जा सकती है। आगामी श्रृंखला को भारत की भविष्य की अंतरराष्ट्रीय तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कलाई की चोट के कारण विंबलडन 2026 से बाहर हुए कार्लोस अल्कराज

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने आगामी विंबलडन 2026 से हटने का फैसला किया है। अल्कराज ने बताया कि वह कलाई की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं, जिसके कारण वह घास के कोर्ट सीजन में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

अल्कराज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मैं पहले से बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन दुर्भाग्य से मैं अभी खेलने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हूं। इसी वजह से मुझे क्वींस और विंबलडन से हटना पड़ रहा है। ये दोनों टूर्नामेंट मेरे लिए बेहद खास हैं और मैं इन्हें बहुत मिस करूंगा। हम जल्द वापसी के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं।'

23 वर्षीय अल्कराज इससे पहले फ्रेंच ओपन 2026 से भी हट चुके हैं, जहां वह गत चैंपियन थे। उन्हें पिछले महीने बार्सिलोना ओपन के पहले दौर के मुकाबले के दौरान कलाई में चोट लगी थी। उन्होंने उस

मैच में ओटो विर्टानेन को हराया था, लेकिन बाद में टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। अल्कराज ने इसी साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया था। इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 22-3 का रहा है और उन्होंने दोहा में भी खिताब अपने नाम किया। मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में यानिक सिनर से हारने के बाद अल्कराज ने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग भी गंवा दी थी।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए पुर्तगाल टीम का ऐलान, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और ब्रूनो फर्नांडिस शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। पुर्तगाल ने आगामी फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बार फिर टीम की अगुवाई करेंगे। उनके साथ ब्रूनो फर्नांडिस, बर्नार्डो सिल्वा और वितिन्हा जैसे कई स्टार खिलाड़ी भी टीम में शामिल हैं। 41 वर्षीय रोनाल्डो अपने करियर का रिकॉर्ड छठा फीफा विश्व कप खेलने उतरेंगे। इस उपलब्धि के साथ वह अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और मेक्सिको के गोलकीपर गिलर्मो ओचोआ की सूची में शामिल हो जाएंगे। यूरो 2016 चैंपियन पुर्तगाल को विश्व कप में ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसका सामना डीआर कांगो, कोलंबिया और उज्बेकिस्तान से होगा। विश्व कप अभियान शुरू होने से पहले पुर्तगाल की टीम चिली और नाइजीरिया के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद टीम 17 जून को डीआर कांगो के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वहीं 23 जून को

उज्बेकिस्तान और 27 जून को कोलंबिया से मुकाबला होगा।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए पुर्तगाल की टीम

गोलकीपरः

डियोगो कोस्टा, जोसे सा, रुई सिल्वा, रिकार्डो वेल्हो

डिफेंडरः

डियोगो डालोट, मैथियस नून्स, नेल्सन सेमेडो, जोआओ कैंसिलो, नूनो मेंडेस, गोंकालो इनासियो, रेनाटो वेइगा, रुबेन डायस, टोमस अराउजो

मिडफील्डरः

रुबेन नेवेस, जोआओ नेवेस, वितिन्हा, ब्रूनो फर्नांडिस, बर्नार्डो सिल्वा, जोआओ फेलिक्स, फ्रांसिस्को ट्रिंकाओ, फ्रांसिस्को कॉन्सेइसाओ, सामू कोस्टा

फॉरवर्डः

पेड्रो नेटो, राफेल लियाओ, गोंकालो गुएडेस, गोंकालो रामोस, क्रिस्टियानो रोनाल्डो।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए भारतीय वनडे-टेस्ट टीम का ऐलानःवनडे टीम में रोहित-कोहली शामिल

एजेंसी

बेंगलुरु। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को टेस्ट और वनडे टीम से आराम दिया गया है। वनडे टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की वापसी हुई है। वहीं, मानव सुथार, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे को पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली है।

अफगानिस्तान की टीम 6 जून से भारत दौरे पर आएगी, जहां दोनों टीमों के बीच एक टेस्ट और 3 वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। वनडे मैच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में 14, 17 और 20 जून को होंगे। वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को टेस्ट टीम से आराम दिया गया है। ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल विकेटकीपर चुने गए हैं। देवदत्त पडिक्कल की नंबर-3 पर वापसी हुई है। उनके साथ साई सुदर्शन भी हैं। पडिक्कल दो टेस्ट खेल चुके हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट 2024 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की 3 साल बाद भारतीय वनडे टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी वनडे मुकाबला 11 अक्टूबर 2023 को अफगानिस्तान के खिलाफ दिल्ली में खेला था। ईशान ने भारत के लिए अब तक 27 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 42.40 की औसत और 102.19 के स्ट्राइक रेट से 933 रन बनाए हैं। ईशान के नाम वनडे में एक दोहरा शतक और 7 अर्धशतक भी दर्ज हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय टीम में गुरनूर बरार, मानव सुथार और हर्ष दुबे को पहली बार शामिल किया गया है। तीनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर टीम इंडिया में जगह बनाई।

पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन में 7 मैचों में 26 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। 6 फीट 4 इंच लंबे गुरनूर अपनी अतिरिक्त उछाल और तेज गति के लिए जाने जाते हैं। IPL में वह गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं।

राजस्थान के लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली रहे हैं। 2022-23 रणजी ट्रॉफी में उन्होंने 39 विकेट लेकर राजस्थान के सबसे सफल गेंदबाज का रिकॉर्ड बनाया था। वह इंडिया-ए टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं और IPL में गुजरात टाइटंस से जुड़े हैं। वहीं, विदर्भ के ऑलराउंडर हर्ष दुबे ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष ने घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और IPL में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा।

भारतीय टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल।

भारतीय वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

'विराट कोहली से मिली तारीफ हॉकी जगत के लिए बड़ा सम्मान', बोले हरमनप्रीत, मनप्रीत और हार्दिक

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली द्वारा भारतीय हॉकी खिलाड़ियों की फिटनेस की सराहना किए जाने के बाद भारतीय हॉकी जगत में खुशी की लहर है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने इसे केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि खेल के प्रति उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण की पहचान बताया है।हाल ही में एक खेल कार्यक्रम के दौरान विराट कोहली ने कहा था कि भारतीय हॉकी खिलाड़ियों की फिटनेस का स्तर बेहद ऊंचा है और हॉकी जैसे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को लगातार उच्च स्तर की शारीरिक क्षमता बनाए रखनी पड़ती है। उनके इस बयान ने हॉकी समुदाय में विशेष उत्साह पैदा किया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि विराट जैसे वैश्विक खिलाड़ी से इस तरह की सराहना मिलना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि हाल ही में उनकी विराट के साथ फिटनेस को लेकर चर्चा हुई थी, जिसमें हॉकी खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और फिटनेस मानकों पर विस्तार से बात हुई। हरमनप्रीत ने कहा कि हॉकी दुनिया के सबसे तेज और अधिक शारीरिक मेहनत वाले खेलों में शामिल है और ऐसे में इस प्रकार की पहचान पूरे हॉकी समुदाय के लिए गर्व की बात है। अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा कि आधुनिक हॉकी में फिटनेस सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। उनके अनुसार आज का हॉकी खेल बेहद तेज हो गया है, जहां खिलाड़ियों को लगातार दौड़ना, आक्रमण करना और बचाव में सक्रिय रहना पड़ता है।

आईपीएल 2026 : वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी से जीता राजस्थान, लखनऊ को 7 विकेट से हराया

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स ने तीन मैचों की हार का सिलसिला तोड़ते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हराकर शानदार वापसी की। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान ने 221 रन के बड़े लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल कर लिया। मैच के सबसे बड़े हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने सिर्फ 38 गेंदों पर 93 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी में 7 चौके और 10 छक्के शामिल रहे। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और लखनऊ के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। कप्तान यशस्वी जायसवाल ने भी तेज शुरुआत करते हुए 23 गेंदों में 43 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए

75 रन जोड़कर राजस्थान की जीत की नींव रखी। सूर्यवंशी के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला और नाबाद 53 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। अंतिम चरण में डोनोवन फरेरा ने भी तेज 16 रन जोड़कर जीत आसान बना दी। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की ओर से मिचेल मार्श शतक से चूक गए और 57 गेंदों में 96 रन बनाकर रन आउट हुए। जॉश इंग्लिश ने 29 गेंदों में 60 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 109 रन की बड़ी साझेदारी की। कप्तान ऋषभ पंत ने भी 35 रन का योगदान दिया, जिससे टीम 20 ओवर में 220 रन तक पहुंच सकी।

हालांकि, लखनऊ की गेंदबाजी निराशाजनक रही। राजस्थान के बल्लेबाजों के सामने गेंदबाज लगातार संघर्ष करते दिखे। वहीं गेंदबाजी में राजस्थान के लिए जोफ्रा आर्चर और यश राज पुंजा ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।

इस जीत के साथ राजस्थान ने प्लेऑफ की उम्मीदों को जीवित रखा, जबकि लखनऊ को महत्वपूर्ण झटका लगा।

ओलंपिक पदक विजेताओं को अब आठ करोड़ रुपये, रवींद्र सरोवर स्टेडियम में बनेगा अंतरराष्ट्रीय ट्रैक

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सरकार बदलते ही खेल क्षेत्र में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। राज्य सरकार ने खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा की है। इन योजनाओं के तहत ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को अब भारी नकद पुरस्कार दिया जाएगा। राज्य के खेल मंत्री निशीथ प्रमाणिक ने अपने कार्यालय में इसकी घोषणा करते हुए बताया कि अब ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को आठ करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इससे पहले यह राशि 25 लाख रुपये थी। वहीं रजत पदक विजेताओं को छह करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को चार करोड़ रुपये दिए जाएंगे। खेल मंत्री ने कहा कि केवल ओलंपिक ही नहीं, बल्कि एशियाई खेलों, कॉमनवेल्थ गेम्स और विश्व चैंपियनशिप के विजेताओं के लिए भी पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की जाएगी। इसके साथ ही खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया को भी मजबूत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों से प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए जिला स्तर पर खेल महोत्सव आयोजित किए जाएंगे, जिनके फाइनल मुकाबले कोलकाता में कराए जा सकते हैं। इस पूरी योजना में खेलो इंडिया और साई जैसे संगठनों के सुझावों को भी शामिल किया जाएगा। इसके लिए खेल विभाग में एक सलाहकार समिति गठित की जाएगी। इसी क्रम में राज्य सरकार ने रवींद्र सरोवर स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने का निर्णय लिया है। वहां ओलंपिक स्तर का एथलेटिक ट्रैक तैयार किया जाएगा। यह स्टेडियम पहले आईएसएल मुकाबलों के लिए इस्तेमाल होता था, लेकिन वर्तमान में इसका उपयोग सीमित हो गया है।

इसके अलावा युवाभारती क्रीड़ांगन के बाहर स्थित एक मूर्ति को हटाने का निर्णय भी लिया गया है, जिसे लेकर लंबे समय से विवाद बना हुआ था। इसे हटाने की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को सौंपी गई है। सरकार का कहना है कि वहां राज्य के किसी प्रसिद्ध फुटबॉलर की प्रतिमा स्थापित की जा सकती है।

आईपीएल 2026: 'किस्मत खराब रही', रन आउट होकर शतक का मौका चूकने पर बोले मिशेल मार्श

एजेंसी

जयपुर। आईपीएल 2026 में सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच हुए मुकाबले में मिशेल मार्श ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी का नजारा पेश करते हुए फैंस को रोमांचित कर दिया। हालांकि मार्श के लिए दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि लगातार दूसरे मैच में वह शतक पूरा करने का मौका चूक गए। एलएसजी की बल्लेबाजी के बाद पारी की चुनौतियों पर मार्श ने कहा, 'मुझे लगा कि उन्होंने आखिर में अच्छी गेंदबाजी की। हम शायद एक, दो या तीन और बाउंड्री नहीं लगा पाए। अगर ऐसा होता तो हम सचमुच बहुत खुश होते, लेकिन इसका श्रेय उन्हें जाता है, उन्होंने अच्छी वापसी की और सचमुच बहुत अच्छी गेंदबाजी की।' जोश इंग्लिस के साथ अपनी साझेदारी पर मार्श ने कहा, 'हमने पिछले पांच सालों में खेल को बदलते देखा है। पांच साल पहले, 220 रन बनाकर आप काफी आत्मविश्वास के साथ मैदान से बाहर निकलते थे। फिलहाल ऐसा संभव नहीं है। हमें अच्छी गेंदबाजी करनी होगी और अपनी योजनाओं को बहुत अच्छे से लागू करना होगा। जहां तक जॉशी के साथ मेरी साझेदारी की बात है, हम साथ में बहुत क्रिकेट खेलते हैं। उनके खेलने का अंदाज मुझ पर से काफी दबाव हटा देता है। हमारी आपस में अच्छी बनती है।'

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराया, 2-0 से जीती सीरीज

एजेंसी

सिलहट । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के सामने पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए हैं। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को बांग्लादेश ने 78 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। पाकिस्तान को पहली बार बांग्लादेश में न सिर्फ टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी है, बल्कि उसका सूपड़ा साफ हो गया है। बांग्लादेश ने ढाका में खेले गए पहले टेस्ट में 104 रन से जीत हासिल की थी। पाकिस्तान को सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट को जीतने के लिए पांचवें दिन 121 रन की जरूरत थी। टीम के पास 3 विकेट शेष थे। पाकिस्तान टीम बुधवार को जब बल्लेबाजी के लिए उतरी तो उसके 316 रन पर 7 विकेट थे। अगले 3 विकेट 42 रन जोड़कर गिर गए। पाकिस्तान 358 रन पर ऑलआउट हो गई और मैच 78 रन के अंतर से हार गई। 75 रन बनाकर नाबाद रहे विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान 94 रन बनाकर नौवें विकेट के रूप में आउट हुए। बांग्लादेश की तरफ से तैजुल इस्लाम ने सर्वाधिक 6 विकेट लिए। पाकिस्तान को चौथी पारी में जीत

के लिए 437 रन का लक्ष्य बांग्लादेश ने दिया था।

मैच पर नजर डालें तो बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 278 रन बनाए थे। पाकिस्तान पहली पारी में 232 रन पर सिमट गई थी। पहली पारी के आधार पर बांग्लादेश को 46 रन की बढ़त मिली थी। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 390 रन बनाकर पाकिस्तान को जीत के लिए 437 रन का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान 358 रन पर सिमट गई और 78 रन से मैच हार गई।

बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। लिटन ने पहली पारी में 126 और दूसरी पारी में 69 रन बनाए थे। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। 2 टेस्ट मैचों की इस सीरीज में रहीम ने 253 रन बनाए।

पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ यह लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज हार है। इस सीरीज से पहले पाकिस्तान को अपने घर में बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में क्लिन स्वीप का सामना करना पड़ा था।

खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन को बढ़ाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में 'छिपी भूख' और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से निपटने के उद्देश्य से इंडिया हैबिटेट सेंटर में मुख्य खाद्य पदार्थ उद्योग के नेताओं का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन टेक्नोसर्व द्वारा संचालित मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के खाद्य एवं कृषि उत्कृष्टता केंद्र (सीआईआई फेस) के सहयोग से किया। सम्मेलन में सरकार, खाद्य उद्योग, मिलर्स, पोषण विशेषज्ञों और विकास क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाकर मुख्य खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन को बड़े स्तर पर बढ़ाने के लिए एक व्यावहारिक रोडमैप तैयार करने पर चर्चा की गई। इस दौरान खाद्य तेल, चावल और गेहूं के आटे जैसी श्रेणियों में फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों को बड़े पैमाने पर अपनाने को लेकर उद्योग-व्यापी सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। चर्चा का मुख्य केंद्र उद्योग की भागीदारी को मजबूत करना, उपभोक्ताओं में जागरूकता और विश्वास बढ़ाना, खुदरा और व्यावसायिक स्तर पर अपनाने का विस्तार करना तथा कुपोषण और छिपी भूख से निपटने के लिए टिकाऊ बाजार-आधारित समाधान तैयार करना रहा।

भारतीय रेलवे ने 993 करोड़ रुपये की अराक्कोनम-चेंगलपट्टू दोहरीकरण परियोजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने दक्षिण रेलवे के अरक्कोनम-चेंगलपट्टू दोहरीकरण परियोजना (68 किमी) को 993 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य चेन्नई उपनगरीय रेल नेटवर्क में भीड़भाड़ कम करना, यात्री सुविधाओं में सुधार करना और माल परिवहन को मजबूत बनाना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह परियोजना चेन्नई के व्यस्त उपनगरीय रेल नेटवर्क पर भीड़ कम करने, ट्रेनों की समयपालन क्षमता बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे यात्रियों के साथ-साथ माल ढुलाई को भी मजबूती मिलेगी तथा सीमेंट, ऑटोमोबाइल, अनाज, लोहा और इस्पात जैसे प्रमुख वस्तुओं के परिवहन को लाभ होगा। यह रेलखंड चेन्नई समुद्र तट, तांबरम, चेंगलपट्टू और अरक्कोनम को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण चेन्नई उपनगरीय सर्कुलर रेल नेटवर्क का हिस्सा है। वर्तमान में इस एकल रेल लाइन पर क्षमता का अत्यधिक उपयोग हो रहा है और आने वाले वर्षों में यातायात बढ़ने की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त रेल अवसंरचना की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

चांदी का आयात शुल्क मूल्य 355 डॉलर घटा

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चांदी के दाम घटने से सरकार ने सफेद धातु के आयात शुल्क मूल्य में 355 डॉलर प्रति किलोग्राम की कटौती की। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा जारी अधिसूचना में चांदी का आयात शुल्क मूल्य घटाकर 2,455 डॉलर प्रति किलोग्राम कर दिया गया है। इससे पहले 15 मई को इसमें 207 डॉलर की वृद्धि की गयी थी। आयात शुल्क मूल्य वह कीमत है जिसके आधार पर चुनिंदा वस्तुओं पर सीमा शुल्क लगाया जाता है। इनमें सोने-चांदी समेत ऐसी वस्तुओं को शामिल किया जाता है जिनकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लगातार बदलती रहती है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार हर पखवाड़े उनका आयात शुल्क मूल्य जारी करती है। हालांकि कीमतों में ज्यादा उतार-चढ़ाव की स्थिति में एक पखवाड़ा पूरा होने से पहले भी नयी दरें अधिसूचित की जा सकती है। आज जारी अधिसूचना में सोने का आयात शुल्क मूल्य 1,508 डॉलर प्रति दस ग्राम पर स्थिर रखा गया है। इससे पहले 15 मई को इसमें 52 डॉलर की वृद्धि की गयी थी।

रुपया 50 पैसे टूटकर 96.70 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 50 पैसे लुढ़ककर अब तक के ऐतिहासिक निचले स्तर 96.70 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 39 पैसे की गिरावट के साथ 96.20 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में रही तेजी से रुपये पर दबाव देखा गया। साथ ही वाणिज्यिक बैंकों की ओर से डॉलर की खरीद बढ़ने से भी भारतीय मुद्रा कमजोर हुई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में पैसा लगाने से रुपये को थोड़ा समर्थन मिला। कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड वायदा आज एक प्रतिशत गिरकर 111 डॉलर प्रति बैरल बोला गया। रुपया 28 पैसे नीचे 96.38 प्रति डॉलर पर खुला। यह ऊपर 96.28 रुपये प्रति डॉलर तक गया। बाद में इसमें लगातार गिरावट देखी गयी और यह 96.70 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर तक टूटने के बाद उसी पर बंद हुआ।

हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर पर क्षमता बढ़ाने के लिए किउल-झाझा तीसरी रेल लाइन परियोजना को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने हावड़ा-दिल्ली रेल मार्ग पर क्षमता विस्तार और परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 54 किलोमीटर लंबी किउल-झाझा तीसरी रेल लाइन परियोजना को 962 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। यह भारतीय रेलवे के अति व्यस्त यातायात वाले नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इससे पूर्वी तथा उत्तरी भारत में यात्री एवं माल परिवहन को मजबूती मिलने की उम्मीद है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि किउल-झाझा तीसरी लाइन परियोजना हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर पर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी तथा ट्रेनों की समयपालन क्षमता और परिचालन लचीलेपन में सुधार लाएगी। अतिरिक्त रेल लाइन से यात्री और मालगाड़ियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी और क्षेत्रीय औद्योगिक विकास तथा व्यापार संपर्क को भी बढ़ावा मिलेगा। रेल मंत्रालय के

अनुसार वर्तमान में किउल और झाझा के बीच मौजूदा दोहरी रेल लाइन अपनी आदर्श क्षमता से अधिक दबाव में संचालित हो रही है। आने वाले वर्षों में इस मार्ग पर यातायात और बढ़ने की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त अवसंरचना की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।प्रस्तावित तीसरी लाइन परियोजना से लाइन क्षमता में वृद्धि होगी, भीड़भाड़ कम होगी और यात्री तथा मालगाड़ियों की आवाजाही अधिक सुगम बन सकेगी। इससे पटना और कोलकाता के बीच संपर्क बेहतर होगा, साथ ही उत्तरी और पूर्वी भारत के प्रमुख औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक केंद्रों से जुड़ी माल ढुलाई को भी मजबूती मिलेगी। यह रेलखंड कोलकाता और हल्दिया बंदरगाहों को रक्सौल तथा नेपाल से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा बरह एसटीपीपी, जवाहर एसटीपीपी और बीरगंज आईसीडी जैसे प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों से जुड़े भारी माल यातायात का संचालन भी इसी मार्ग से होता है। रेलवे के अनुसार इस रणनीतिक कॉरिडोर पर बढ़ती यातायात मांग को देखते हुए यह परियोजना दीर्घकालिक आधारभूत संरचना समर्थन प्रदान करेगी। अतिरिक्त वहन क्षमता और बेहतर संपर्क से लॉजिस्टिक्स संचालन अधिक कुशल होगा, भीड़भाड़ कम होगी और पूर्वी एवं उत्तरी भारत के प्रमुख आर्थिक केंद्रों के बीच रेल परिवहन अधिक विश्वसनीय बन सकेगा।

मप्र की ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि, लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन कर ट्रांसमिशन लॉसेस सिर्फ 2.60 प्रतिशत पर कायम

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मप्र विद्युत नियामक आयोग द्वारा ट्रांसमिशन लॉसेस का लक्ष्य 2.75 प्रतिशत निर्धारित किया गया था, जबकि एमपी ट्रांसको ने इसे 2.60 प्रतिशत पर बनाए रखकर बेहतर प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि एमपी ट्रांसको को देश की अग्रणी ट्रांसमिशन यूटिलिटीज में शामिल करती है।

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने बढ़ती विद्युत मांग, सौर ऊर्जा के बड़े पैमाने पर ग्रिड में एकीकरण तथा लगातार विस्तारित हो रहे ट्रांसमिशन नेटवर्क जैसी चुनौतियों के बावजूद ट्रांसमिशन लॉसेस को पिछले वर्ष के स्तर 2.60 प्रतिशत पर बनाए रखने में सफलता प्राप्त की है। ऊर्जा मंत्री तोमर ने इस उपलब्धि के लिए एमपी ट्रांसको सहित प्रदेश की सभी विद्युत कंपनियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है । उन्होंने कहा कि सभी विद्युत कंपनियों के समन्वित प्रयास, बेहतर तकनीकी प्रबंधन एवं टीम वर्क के कारण ही मध्यप्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत में ईंधन की कीमतों में 4 प्रतिशत की वृद्धि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में इस सप्ताह घोषित पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3.91 रुपए प्रति लीटर या 4.4 प्रतिशत की वृद्धि तेल उत्पादक देशों जैसे सऊदी अरब को छोड़कर किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था द्वारा की गई सबसे कम वृद्धि है। यह जानकारी ग्लोबलपेट्रोलप्राइसेजडॉटकॉम के द्वारा संकलित आंकड़ों में दी गई। इंडियन ऑयल के एक अधिकारी ने बताया कि ईंधन की कीमतों में 3.91 रुपए की बढ़ोतरी से केवल आंशिक रूप से कच्चे तेल में आए उछाल की भरपाई हुई है। यह कदम क्रूड ऑयल की बढ़ी कीमतों को सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा 76 दिनों तक पूरी तरह से वहन करने के बाद उठाया गया है। इसके विपरीत, बाकी दुनिया कच्चे तेल की लागत में हुई वृद्धि को समायोजित करने के लिए दोनों ईंधनों की खुदरा कीमतों में 10 से 90 प्रतिशत तक की वृद्धि कर रही है। आंकड़ों के मुताबिक, ' म्यांमार, मलेशिया, पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में पेट्रोल की कीमत युद्ध-पूर्व मूल्य से आधे से अधिक बढ़ गई है, जबकि डीजल की कीमत वैश्विक व्यापार और माल ढुलाई से प्रत्यक्ष संबंध के कारण और भी तेजी से बढ़ी है। पाकिस्तानी उपभोक्ता आज पेट्रोल के लिए तीन महीने पहले की तुलना में लगभग 55 प्रतिशत अधिक भुगतान कर रहा है, मलेशियाई उपभोक्ता लगभग 56 प्रतिशत अधिक और संयुक्त अरब अमीरात के उपभोक्ता लगभग 52 प्रतिशत अधिक कीमत चुका रहे हैं। 'रिपोर्ट में बताया गया कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में 45 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यूके में पेट्रोल की कीमतों में करीब 19 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 34 प्रतिशत, जर्मनी में पेट्रोल की कीमतों में करीब 14 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, फ्रांस में पेट्रोल की कीमतों में 21 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर में पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी 20 प्रतिशत से कम रही है। वहीं डीजल की कीमतों में भी काफी तेज वृद्धि हुई है, सिंगापुर में तो डीजल की कीमत 65 प्रतिशत बढ़ गई है। इंडियन ऑयल के अधिकारी ने कहा कि भारत में 3.91 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि से सरकारी तेल कंपनियों को आयातित कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों के कारण हो रहे दैनिक नुकसान में कमी आई है, जो पहले 1,000 करोड़ रुपए प्रतिदिन था और अब घटकर 750 करोड़ रुपए रह गया है। खुदरा ईंधन की कीमतों में वृद्धि से नुकसान में केवल 25 प्रतिशत की कमी आई है।

एसबीआई में 7,150 अप्रेंटिस पदों पर निकली भर्ती, आवेदन शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक (कमर्शियल) बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में नौकरी करके अपने शानदार करियर की शुरुआत करने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक खास मौका सामने आया है। दरअसल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश और भाषा के आधार पर अप्रेंटिस के कुल 7,150 पदों पर योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। एसबीआई की ओर से जारी अप्रेंटिस के पोस्ट के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 8 जून तय की गई है। ऐसे में जो उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे बैंक के ऑफिशियल पोर्टल पर जाकर तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री का

होना अनिवार्य है। वहीं, प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष तय की गई है। उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 28 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना 1 अप्रैल के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले अभ्यर्थियों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी। योग्य अभ्यर्थियों का चयन ऑनलाइन लिखित परीक्षा, स्थानीय भाषा की परीक्षा, चिकित्सा परीक्षण और अंतिम मेरिट सूची के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स को प्रति माह 15,000 रुपए स्टाइपेंड के तौर पर दिए जाएंगे। वहीं, लिखित परीक्षा जुलाई में आयोजित होने की संभावना है।एप्लीकेशन फॉर्म भरते समय आवेदकों के अपने वर्ग अनुसार निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा, जो सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस के लिए 300 रुपए तय किया गया है। वहीं, एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को रजिस्ट्रेशन फीस में छूट दी गई है। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले खुद को एनएपीएस पोर्टल पर रजिस्टर करें। इसके बाद एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद संबंधित पद के लिए दिए गए सक्रिय आवेदन लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद रजिस्ट्रेशन कर लॉगिन करें।

नई बुलेट 650 और आंध्र प्रदेश में विशाल कारखाना, रॉयल एनफील्ड ने भविष्य की तैयारी तेज की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मोटरसाइकिल बाजार में अपनी अलग पहचान रखने वाली रॉयल एनफील्ड अब एक बड़े बदलाव और विस्तार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। एक तरफ कंपनी अपनी बहुप्रतीक्षित बुलेट 650 को भारतीय बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी ओर बढ़ती मांग को देखते हुए आंध्र प्रदेश में नया विनिर्माण कारखाना स्थापित करने की योजना पर भी काम शुरू कर दिया गया है। इन दोनों घोषणाओं ने मोटरसाइकिल प्रेमियों और उद्योग जगत में उत्साह बढ़ा दिया है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में रॉयल एनफील्ड केवल भारतीय बाजार ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी स्थिति और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। जल्द दस्तक दे सकती है नई बुलेट 650

रॉयल एनफील्ड की बुलेट दशकों से भारतीय सड़कों की शान मानी जाती रही है। वर्ष 1932 से लगातार उत्पादन में बनी हुई यह मोटरसाइकिल आज भी लाखों लोगों के दिलों में खास जगह रखती है। अब कंपनी इसी ऐतिहासिक

मोटरसाइकिल को और ज्यादा ताकतवर रूप में पेश करने जा रही है। खबरों के मुताबिक बुलेट 650 को अगले एक से दो महीनों के भीतर भारतीय बाजार में उतारा जा सकता है।

कंपनी ने इस मोटरसाइकिल की पहली झलक पिछले वर्ष आयोजित मोटरवर्स कार्यक्रम में दिखाई थी। इससे पहले इसका वैश्विक प्रदर्शन इटली के प्रतिष्ठित मोटरसाइकिल आयोजन में किया गया था। तभी से इस मोटरसाइकिल को लेकर लोगों के बीच उत्सुकता लगातार बनी हुई है। नई बुलेट 650 में कंपनी ने पारंपरिक बुलेट की पहचान को बरकरार रखने की कोशिश की है। मोटरसाइकिल में वही सीधा और मजबूत ढांचा देखने को मिलेगा जिसके लिए बुलेट जानी जाती है। इसके साथ बूंद आकार का ईंधन टैंक, पारंपरिक गोल हेडलाइट और पुराने दौर की झलक देने वाली डिजाइन इसे खास बनाती है। कंपनी ने इसके धातु से बने मजबूत ढांचे और हाथ से बनाई जाने वाली धारियों जैसी पारंपरिक विशेषताओं को भी बरकरार रखा है। हालांकि मोटरसाइकिल में आधुनिक तकनीक और बड़ा इंजन जोड़ा गया है, लेकिन इसका मूल स्वरूप अब भी क्लासिक बुलेट जैसा ही दिखाई देगा। नई बुलेट 650 में 647.95 सीसी क्षमता वाला दो सिलेंडर इंजन दिया जाएगा। यही इंजन कंपनी की अन्य 650 श्रेणी की मोटरसाइकिलों में भी इस्तेमाल किया जा रहा है। यह इंजन लगभग 47 ब्रेक हॉर्स पावर की ताकत और 52.3 न्यूटन मीटर टॉर्क उत्पन्न करने में सक्षम बताया जा रहा है। इसके साथ छह गति वाला गियरबॉक्स मिलेगा।

पहले की पारंपरिक एक सिलेंडर व्यवस्था की तुलना में यह नया इंजन ज्यादा संतुलित और स्मूद सवारी का अनुभव देगा। खासतौर पर लंबी दूरी की यात्रा और राजमार्ग पर सफर करने वालों को इससे अधिक आराम मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने इसमें आरामदायक चौड़ी सीट और ऊंचे हैंडलबार दिए हैं, जिससे लंबे सफर में थकान कम महसूस होगी।

मोटरसाइकिल में आगे की तरफ 19 इंच और पीछे 18 इंच का पहिया दिया जाएगा। वहीं सुरक्षा के लिए दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक और दोहरे चैनल वाली एंटी लॉक ब्रेकिंग प्रणाली भी मिलने की संभावना है। रेट्रो डिजाइन के बावजूद नई बुलेट 650 आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी।

जेएसडब्ल्यू कर आइकार वी 23 की लान्चिंग की तैयारी, टेस्टिंग के दौरान दिखी एसयूवी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के बाजार में जल्दी ही जेएसडब्ल्यू की कार दौड़ती हुई दिखेगी। इसके लिए निर्माता कंपनी जोर शोर से तैयारी में जुटी हुई है। निर्माता की ओर से दूसरी गाड़ी के तौर पर JSW Chery icar V23 को लान्च किया जा सकता है। लान्च से पहले इसकी टेस्टिंग की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसे फिर से टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। इस दौरान किस तरह की जानकारी मिल रही है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

ये मिली जानकारी:

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टेस्टिंग के दौरान देखी गई यूनिट को पूरी तरह से ढंका गया था। लेकिन इसके डिजाइन और कुछ फीचर्स की जानकारी मिल रही है। इस एसयूवी को चौकोर और सीधे डिजाइन किया गया है। जिस तरह से मर्सिडीज की ओर से जी क्लास और टोयोटा की ओर से एफजे क्रूजर को ऑफर किया जाता है। इसमें टेल लाइट्स को रियर बंपर के पास रखा जा सकता है। साइड में फुट बोर्ड दिया जा सकता है और रियर में टेल गेट पर जैरी कैन को भी दिया जा सकता है। इसके साथ ही एसयूवी को बड़ी खिड़कियों के साथ डिजाइन किया गया है, जिससे अंदर से बेहतर विजिबिलिटी मिल सकती है। इंटीरियर में भी बड़ी स्क्रीन के साथ इंफोटेनमेंट सिस्टम और चारों दरवाजों पर ग्रैब हैंडल को दिया जा सकता है।

इतनी होगी रेंज:

निर्माता की ओर से अभी सिर्फ एसयूवी की टेस्टिंग की जा रही है। जिसके बाद ही किसी तरह की जानकारी को दिया जा सकता है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एसयूवी में 60 से 80 चड्ढ्ढ की क्षमता की बैटरी को दिया जा सकता है, जिससे इसे 500 किलोमीटर तक की रेंज मिल सकती है। इसके साथ ही एसयूवी को ऑल व्हील ड्राइव और ड्यूल मोटर के विकल्प को भी दिया जा सकता है।

भारत-स्वीडन साझेदारी पर पीयूष गोयल का बयान: सहयोग से ही संभव है टिकाऊ विकास और औद्योगिक बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-स्वीडन साझेदारी इस साझा विश्वास को दर्शाती है कि सरकारों, उद्योगों, इनोवेटर्स और वित्तीय संस्थानों के सहयोग से औद्योगिक परिवर्तन को आगे बढ़ाया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने एक प्रभावशाली लेख लिखा है, जिसमें टिकाऊ विकास, स्वच्छ ऊर्जा और नवाचार आधारित प्रगति को लेकर दोनों देशों की साझा सोच को सामने रखा गया है। 'भारत और स्वीडनः विकास, लचीलापन और स्थिरता एक साथ हासिल करना...' शीर्षक वाले इस लेख में कहा गया है कि मौजूदा समय में दुनिया भू-

राजनीतिक अनिश्चितता, ऊर्जा असुरक्षा और आर्थिक विभाजन जैसी बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे दौर में देशों के सामने दो विकल्प हैं–या तो वे केवल अपने सीमित राष्ट्रीय हितों तक सिमट जाएं या फिर ऐसे वैश्विक सहयोग को मजबूत करें जो विकास, स्थिरता और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित कर सकें।

लेख में यह भी कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग और बहुपक्षवाद की अहमियत पहले से ज्यादा स्पष्ट हो गई है। साथ ही, वैश्विक संस्थाओं में सुधार की जरूरत भी महसूस की जा रही है ताकि वे वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप काम कर सकें। लेख में आगे कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, जिसका असर भारत, स्वीडन समेत सभी देशों की अर्थव्यवस्थाओं और समाज पर पड़ रहा है। हालांकि, जलवायु कार्रवाई को विकास की जरूरतों से अलग नहीं किया जा सकता। इसमें कहा गया कि दुनिया भर में अरबों लोग बेहतर जीवन स्तर, रोजगार, आधुनिक बुनियादी ढांचे और ऊर्जा तक पहुंच की उम्मीद रखते हैं। ऐसे में विकास और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलना ही आज की सबसे बड़ी आर्थिक और राजनीतिक आवश्यकता बन गया है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि उन्होंने दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से मुलाकात की और दिल्ली के विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और नागरिकों के जीवन को आसान बनाना दिल्ली के निरंतर विकास के लिए सरकार की प्राथमिकता है।

बैंक आफ बड़ौदा में 5000 पदों पर निकली भर्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंक में नौकरी करने के लिए तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। बैंक आफ बड़ौदा ने अप्रेंटिस पदों के लिए भर्ती निकाली है। जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल पांच हजार रिक्त पदों को भरा जाएगा। इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी 19 मई 2026 से 8 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक (Graduation) की डिग्री या केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यता होनी चाहिए। ह्वङ्गस् के अंतर्गत पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए स्नातक उत्तीर्ण करने की तिथि कट-ऑफ डेट 01 मई 2026 से 4 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। जिन उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता पूरी करने के बाद 1 वर्ष या उससे अधिक का प्रशिक्षण या कार्य

अनुभव प्राप्त कर लिया है, वे इस भर्ती के लिए पात्र नहीं होंगे।

ये है आयु सीमा की शर्तें:

उम्मीदवार की न्यूनतम उम्र 20 वर्ष होनी चाहिए और सामान्य वर्ग के लिए अधिकतम उम्र 28 वर्ष तय की गई है। इसके अलावा, आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकार के नियमों के अनुसार आयु में छूट भी दी जाएगी।

आवेदन शुल्क:

आवेदन करने के लिए अलग-अलग वर्गों के लिए अलग शुल्क तय किया गया है। एससी/एसटी और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 200 रुपये + जीएसटी शुल्क रखा गया है, जबकि सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी (पुरुष) उम्मीदवारों को 800 रुपये + जीएसटी देना होगा। वहीं सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी (महिला/ट्रांसजेंडर) उम्मीदवारों के लिए शुल्क 600 रुपये + जीएसटी निर्धारित किया गया है।

15,000 तक मिलेगा स्टाइपेंड:

इस भर्ती में चयनित प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण अवधि के दौरान 15,000 रुपये प्रति माह स्टाइपेंड दिया जाएगा। इसके अलावा उन्हें किसी भी प्रकार का अतिरिक्त भत्ता या अन्य सुविधा नहीं दी जाएगी।

ह्युंडई एक्सटर के सीएनजी को दो लाख रुपये में घर ले जाएं!

एजेंसी

नई दिल्ली। चार पहिया गाड़ी की आज के समय में हर परिवार को जरूरत है। जिसमें ह्युंडई की ओर से एसयूवी सेगमेंट में ह्युंडई एक्सटर की बिक्री की जाती है। अगर आप भी इस गाड़ी के सीएनजी वेरिएंट को घर लाने का मन बना रहे हैं, तो दो लाख रुपये की डाउन पेमेंट करने के बाद हर महीने कितने रुपये की ईएमआई देकर इसे घर लाया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं। ह्युंडई की ओर से E&ter के सीएनजी वेरिएंट के तौर पर HX2 को ऑफर किया जाता है। निर्माता इस एसयूवी के सीएनजी वेरिएंट को सात लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर बिक्री के लिए उपलब्ध करवा रही है। अगर इसे दिल्ली में खरीदा जाता है तो सात लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत के साथ ही इस पर रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस भी देना होगा। इस गाड़ी को खरीदने के लिए करीब 49 हजार रुपये का रजिस्ट्रेशन टैक्स, करीब 38 हजार रुपये इंश्योरेंस के देने होंगे। जिसके बाद गाड़ी की दिल्ली में ऑन रोड कीमत 7.87 लाख रुपये हो जाती है। अगर Hyundai E&ter के सीएनजी वेरिएंट को आप खरीदते हैं, तो बैंक की ओर से एक्स शोरूम कीमत पर ही फाइनेंस किया जाएगा। ऐसे में दो लाख रुपये की डाउन पमेंट करने के बाद आपको करीब 5.87 लाख रुपये की राशि को बैंक से फाइनेंस करवाना होगा। बैंक की ओर से अगर आपको नौ फीसदी ब्याज के साथ सात साल के लिए 5.87 लाख रुपये दिए जाते हैं।

वायु सेना को नए सौदे का पहला सुखोई-30 लड़ाकू विमान अगले साल देगा एचएएल

एजेंसी

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने भारतीय वायु सेना के लिए खरीदे गए एक दर्जन नए सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करने की समय सीमा निर्धारित कर दी है। इस नए सौदे का पहला जेट वित्त वर्ष 2027-28 के दौरान सौंपा जाएगा। बाकी ग्यारह विमान अगले साल वित्त वर्ष 2028-29 में वायु सेना के बेड़े में शामिल होंगे। इन विमानों की आपूर्ति होने पर वायु सेना की लड़ाकू क्षमता मजबूत होने के साथ ही हाल के दशकों में टूट-फूट और दुर्घटनाओं के कारण हुई विमानों की कमी पूरी हो सकेगी।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के लिए कंपनी की वित्तीय समीक्षा के दौरान एचएएल के अधिकारियों ने भारतीय वायु सेना के लिए किये गए सौदे के 12 सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के बारे में पुष्टि की। रक्षा मंत्रालय ने 12 दिसंबर, 2024 को इन 12 ट्विन-इंजन, मल्टीरोल प्लेटफॉर्म की खरीद के लिए एचएएल के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। इन विमानों और संबंधित उपकरणों की खरीद के लिए यह सौदा 13,500 करोड़ रुपये का है। इन विमानों में 62.6 फीसदी स्वदेशी सामग्री होगी और इनका निर्माण एचएएल के नासिक डिवीजन में किया जा रहा है। इन विमानों की आपूर्ति से भारतीय वायु सेना की परिचालन क्षमता बढ़ेगी और देश की रक्षा तैयारियां मजबूत होंगी। एचएएल की नासिक डिवीजन ने भारत में रूसी डिजाइन वाले जेट विमानों के लाइसेंस प्राप्त उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि निर्माण के शुरुआती चरण और आपूर्ति श्रृंखला का समायोजन पहले ही शुरू हो चुका है। एचएएलदेश के रक्षा बलों के लिए सुखोई-30 एमकेआई

लड़ाकू विमानों के इस अंतिम जत्थे की सुचारू डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए अपनी असेंबली समय-सीमा को सक्रिय रूप से व्यवस्थित कर रहा है। वर्तमान में सुखोई-30 वायु सेना के मुख्य हवाई बेड़े में सबसे अधिक संख्या वाला लड़ाकू विमान है।

यह बहुमुखी प्लेटफॉर्म कई तरह के लड़ाकू अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है, जिसमें हवाई वर्चस्व हासिल करने और लंबी दूरी तक मार करने वाले हमले करने से लेकर समुद्री गश्त और जमीन पर अत्यधिक सटीक बमबारी करना शामिल है। इन अतिरिक्त बारह जेट विमानों को शामिल करने से न केवल आवश्यक स्क्वाड्रन संख्या बनी रहेगी बल्कि बेड़े में एकरूपता और उच्च परिचालन तत्परता को भी बढ़ावा मिलेगा। खास बात यह है कि इस नए जत्थे में 60 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री होने का अनुमान है। यह विमान उन्नत एवियोनिक्स से लैस होंगे और एस्ट्रा जैसी 'बियॉन्ड-विजुअल-रेंज' हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल और शक्तिशाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल जैसी स्वदेशी हथियार प्रणालियों को तैनात करने में पूरी तरह सक्षम होंगे।

ट्रंप ने कहा- शी जिनपिंग ने दिलाया भरोसा, ईरान को हथियार सप्लाई नहीं कर रहा है चीन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि बीजिंग ईरान को हथियार सप्लाई नहीं कर रहा है। ट्रंप ने यह बयान ऐसे समय में दिया है, जब अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए लगातार कूटनीतिक कोशिशों में जुटा हुआ है। व्हाइट हाउस में बन रहे नए बॉलरूम के निर्माण स्थल के दौरे के दौरान ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच शी जिनपिंग ने उन्हें सीधे यह आश्वासन दिया है। ट्रंप ने कहा, 'राष्ट्रपति शी ने मुझसे वादा किया है कि वह ईरान को कोई हथियार नहीं भेज रहे हैं। यह बहुत अच्छा वादा है और मैं उनकी बात पर भरोसा करता हूं।' उन्होंने यह भी कहा कि हाल की मुलाकातों के दौरान उनके और शी जिनपिंग के बीच अच्छे संबंध बने हैं। ट्रंप बोले, 'हमने चीन में बहुत अच्छा समय बिताया। राष्ट्रपति शी और मैंने शानदार समय साथ बिताया।' इस दौरान ट्रंप ने ईरान की सैन्य ताकत और मिडिल ईस्ट की सुरक्षा स्थिति पर भी बात की। खास तौर पर उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट और खाड़ी देशों से जुड़े मुद्दों का जिक्र किया। ट्रंप का कहना था कि चीन भी इस क्षेत्र में शांति चाहता है, क्योंकि उसकी बड़ी तेल जरूरतें मिडिल ईस्ट पर निर्भर हैं।

जेडी वेंस की ईरान को चेतावनी, डील नहीं हुई तो फिर शुरू हो सकता है सैन्य अभियान

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ईरान के साथ गंभीर और लगातार बातचीत कर रही है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर तेहरान न्यूक्लियर हथियार हासिल करने से रोकने वाली डील पर सहमत नहीं होता है, तो अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशन को फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए वेंस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बना सकता। वेंस के मुताबिक, अगर ईरान परमाणु बम बना लेता है तो इससे दुनिया में हथियारों की नई दौड़ शुरू हो सकती है और मध्य पूर्व समेत कई इलाकों में अस्थिरता बढ़ सकती है। वेंस ने कहा कि सरकार को लगता है कि ईरान समझौता करना चाहता है और हाल की बातचीत में कुछ प्रगति भी हुई है। उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि ईरान डील करना चाहता है। लेकिन इसका पता तभी चलेगा जब समझौते पर वास्तव में हस्ताक्षर होंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनकी हाल की कूटनीतिक यात्रा का मकसद यह दिखाना था कि अमेरिका ईमानदारी से बातचीत करना चाहता है। उन्होंने कहा, 'हम यह दिखाना चाहते थे कि हम अच्छे इरादे से बातचीत कर रहे हैं। लेकिन बातचीत नाकाम रही तो राष्ट्रपति ट्रंप सैन्य दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं।'

अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो 23 से 26 मई तक भारत दौरे पर, क्वाड और रक्षा सहयोग पर होगी अहम चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो चार दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। वे शनिवार को भारत पहुंचेंगे और 23 से 26 मई तक देश के अलग-अलग राज्यों का दौरा करेंगे। इस दौरान क्वाड साझेदारी, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर मुख्य रूप से चर्चा होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, मार्को रूबियो भारत यात्रा के दौरान कोलकाता, आगरा, जयपुर और दिल्ली जाएंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने रूबियो की यात्रा योजनाओं की घोषणा की। विभाग ने जानकारी दी कि भारत आने से पहले 22 मई को मार्को रूबियो सबसे पहले स्वीडन के हेलसिंगबोर्ग जाएंगे, जहां वे नाटो विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने एक बयान में कहा, 'विदेश मंत्री भारतीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होने वाली बैठकों के दौरान ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे।' नई दिल्ली में भारतीय नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों के अलावा, रूबियो के क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी शामिल होने की उम्मीद है। इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल होंगे।

भ्रष्टाचार मामले में पीएम नेतन्याहू 88वीं बार कोर्ट के सामने हुए पेश, सुरक्षा कारणों से अदालत ने छोटा किया सत्र

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भ्रष्टाचार मामले में जिला कोर्ट में पेश हुए। अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में चल रहे ट्रायल में यह उनकी 88वीं पेशी थी। इजरायल के चैनल 12 ने कहा कि जजों ने पीएम नेतन्याहू की सुरक्षा और राजनीतिक शेड्यूल की वजह से सुनवाई का सत्र छोटा करने की मंजूरी दी। केस 1000 और 4000 में उनसे पूछताछ पूरी होने के बाद मंगलवार का सत्र केस 2000 पर केंद्रित था। पीएम नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार, रिश्वत और भरोसा तोड़ने के तीन मामले चल रहे हैं, जिन्हें केस 1000, 2000 और 4000 के नाम से जाना जाता है। इन मामलों में चार्जशीट नवंबर 2019 के आखिर में फाइल की गई थी। केस 1000 में आरोप है कि नेतन्याहू और उनके परिवार के सदस्यों को अमीर बिजनेसमैन से अलग-अलग क्षेत्र में मदद और एहसान के बदले महंगे गिफ्ट मिले।

दुनिया जंगलराज की ओर बढ़ रही, लड़ाई रोकना बेहद जरूरी : जिनपिंग

एजेंसी

बीजिंग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को अहम बैठक की। वार्ता का आयोजन ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में किया गया था। इस दौरान आपसी संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा हुई, 20 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए इसके साथ ही मध्य एशिया के बिगड़े हालात पर भी मंथन हुआ। समाचार एजेंसी सिंहुआ के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने पुतिन के साथ बैठक के दौरान मध्य पूर्व में सभी शत्रुता को तुरंत समाप्त करने का फिर से आह्वान किया। शी ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र की स्थिति 'युद्ध और शांति के बीच एक निर्णायक मोड़' पर है। वहीं संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध को लेकर चेतावनी दी। बैठक में उन्होंने कहा कि दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 'अगर लड़ाई नहीं रुकी तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक स्थिरता पर बड़ा असर

पड़ेगा।' उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। ऐसी स्थिति में लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, 'हम विश्व शासन की एक नई, अधिक तर्कसंगत और निष्पक्ष प्रणाली बनाने, दुनिया को समृद्धि की ओर ले जाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करने के लिए तैयार हैं। दुनिया में बहुध्रुवीय व्यवस्था होनी चाहिए और अंतरराष्ट्रीय रिश्तों के नए तरीके अपनाए जाने चाहिए।' इसके अलावा शी ने रूस-चीन संबंधों को लेकर भी व्यापक चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष चीन-रूस रणनीतिक समन्वय साझेदारी की 30वीं वर्षगांठ और चीन-रूस मित्र पड़ोसी और मैत्रीपूर्ण सहयोग संधि के हस्ताक्षर की 25वीं वर्षगांठ है। शी ने बताया कि चीन-रूस संबंध इस मुकाम तक 'कदम दर कदम बढ़कर' पहुंचे हैं, क्योंकि दोनों देशों ने राजनीतिक आपसी विश्वास और रणनीतिक समन्वय को लगातार गहरा किया; सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हमेशा नई ऊंचाइयों को छूने का प्रयास किया; अंतरराष्ट्रीय न्याय और समानता की रक्षा की; और मानवता के साझा भविष्य के लिए समुदाय के निर्माण को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाया। पुतिन और जिनपिंग ने व्यापक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने से जुड़े डिक्लेरेशन पर हस्ताक्षर किए।

पूर्वी चीन सागर में 6.0 तीव्रता का तेज भूकंप, स्थानीय प्रशासन सतर्क

एजेंसी

चीन। बुधवार सुबह पूर्वी चीन सागर में 6.0 तीव्रता का तेज भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनएसएसी) ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि भूकंप का केंद्र 27.523 डिग्री उत्तर अक्षांश और 128.418 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। भूकंप के केंद्र की गहराई 33 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र जापान के नागासाकी शहर से लगभग 597 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम (एसएसडब्ल्यू) दिशा में पूर्वी चीन सागर में था। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 8 बजकर 16 मिनट पर आया। फिलहाल किसी जान-माल की हानि या सुनामी की कोई खबर नहीं है, लेकिन इस क्षेत्र में कई द्वीप और तटीय इलाके होने के कारण स्थानीय प्रशासन सतर्क है। इससे कुछ देर पहले भारतीय समयानुसार सुबह 7.33 पर हिंद महासागर में भी 4.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसका केंद्र 1.437 डिग्री उत्तर अक्षांश और 95.503 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। भूकंप की गहराई मात्र 10 किलोमीटर थी। यह स्थान भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कैंपबेल खाड़ी से लगभग 644 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व (एसएसई) दिशा में था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर दोनों भूकंपों की विस्तृत जानकारी साझा की। विशेषज्ञों के अनुसार, 6.0 तीव्रता का भूकंप मध्यम श्रेणी का माना जाता है। यदि यह जमीन के अंदर होता तो नुकसान हो सकता था, लेकिन समुद्र में होने के कारण इसका प्रभाव मुख्य रूप से समुद्री तरंगों तक सीमित रह सकता है। हिंद महासागर वाला 4.4 तीव्रता का भूकंप सामान्य श्रेणी में आता है और आमतौर पर इसे महसूस करना मुश्किल होता है।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का श्रीलंका दौरा, भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग बढ़ाने पर जोर

एजेंसी

कोलंबो। भारतीय वायुसेना के चीफ ऑफ द एयर स्टाफ, एयरचीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह को श्रीलंका वायुसेना मुख्यालय में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दयिा गया। यह स्वागत उनके श्रीलंका के आधिकारिक दौरे के दौरान हुआ, जो दोनों देशों के बीच रक्षा और कूटनीतिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। श्रीलंका में स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बुधवार को जानकारी देते हुए लिखा, 'एयर चीफ मार्शल को 19 मई 2026 को होने वाली औपचारिक बैठकों से पहले श्रीलंका एयर फोर्स (एसएलएएफ) मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने श्रीलंका वायुसेना प्रमुख से मुलाकात की। उन्होंने रक्षा उप मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) अरुणा जयशेखर और रक्षा सचिव एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) संपत थुयाकोंथा से भी मुलाकात की।' उन्होंने आगे बताया कि एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बट्टारामुल्ला में स्थित 'इंडियन पीस

कीपिंग फोर्स' स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। यह दौरा भारत और श्रीलंका के बीच हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने की कोशिशों के बीच हो रहा है। भारतीय वायुसेना प्रमुख तीन दिन के आधिकारिक दौरे पर श्रीलंका में हैं, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाना और सैन्य स्तर पर बेहतर तालमेल बनाना है। वे 21 मई तक श्रीलंका में रहेंगे। एक अन्य पोस्ट में उच्चायोग ने बताया कि एयर चीफ मार्शल का श्रीलंका वायुसेना मुख्यालय में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद उनकी श्रीलंका वायुसेना प्रमुख के साथ बैठक हुई। उन्होंने बताया कि उन्होंने रक्षा उप मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) अरुणा जयशेखर और रक्षा सचिव एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) संपत थुयाकोनथा से भी मुलाकात की। इस दौरे के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह ने श्रीलंका के रक्षा नेतृत्व के साथ बातचीत की, जिसमें द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने और ऑपरेशनल तालमेल बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने श्रीलंका के रक्षा उप मंत्री और रक्षा सचिव से भी मुलाकात की, जिससे दोनों देशों के बीच लगातार उच्च-स्तरीय संपर्क का संकेत मिलता है।

ट्रंप का दावा- व्हाइट हाउस में 'ड्रोन-प्रूफ' बॉलरूम, यह वाशिंगटन की सबसे खूबसूरत इमारतों में से एक होगा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में बन रहे नए बॉलरूम प्रोजेक्ट को बेहद सुरक्षित और आधुनिक इमारत बताया है। उन्होंने कहा कि यह सैन्य स्तर की ऐसी संरचना होगी, जो ड्रोन हमलों से भी सुरक्षित रहेगी और वॉशिंगटन की सबसे खूबसूरत इमारतों में शामिल होगी। निर्माण स्थल का दौरा करते हुए ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि इस प्रोजेक्ट के लिए पैसा वह खुद और कुछ निजी दानदाता दे रहे हैं। उनके मुताबिक, यह इमारत सिर्फ समारोहों के लिए नहीं होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी अहम भूमिका निभाएगी। ट्रंप ने कहा, 'यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक तोहफा है। और एक तोहफ़े से भी बढ़कर, यह देश या वाशिंगटन में अब तक बनी सबसे खूबसूरत इमारतों में से एक होगी।' उन्होंने बताया कि बॉलरूम की छत को बेहद मजबूत बनाया जा रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि यह पूरी तरह 'ड्रोन-प्रूफ' होगी। उनके अनुसार, छत को 'ड्रोन पोर्ट' की तरह तैयार किया जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में ड्रोन तैनात किए जा सकेंगे। ट्रंप ने बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया कि बॉलरूम खुद भूमिगत सुविधाओं और मिलिट्री ढांचे के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करेगा। बॉलरूम परिसर को जमीन के नीचे कई मंज़िलों तक फैले एक भूमिगत सुरक्षा ढांचे के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने कहा, 'यह निर्माण जमीन के नीचे छह मंजिल तक जाएगा। वहां अस्पताल और कई रिसर्च सेंटर बनाए जा रहे हैं।' ट्रंप का कहना है कि ऊपर बनने वाला बॉलरूम नीचे मौजूद इन सभी सुरक्षा और सैन्य सुविधाओं को सुरक्षा कवच की तरह ढककर रखेगा। उन्होंने इमारत में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का भी जिक्र किया। ट्रंप ने कहा कि इसमें बेहद मजबूत स्टील और करीब चार इंच मोटे विशेष कांच लगाए जाएंगे, जो लगभग हर तरह के हमले को झेल सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'यह कांच करीब चार इंच मोटा होगा और लगभग हर चीज को रोक सकता है।' सुरक्षा कारणों से एयर कंडीशनिंग और वेंटिलेशन सिस्टम को भी इमारत के अंदर ही रखा जाएगा, ताकि हवा की गुणवत्ता से जुड़ी किसी तरह की छेड़छाड़ न हो सके।

ट्रंप ने बॉलरूम की डिजाइन की तुलना प्राचीन ग्रीक और रोमन वास्तुकला से की। उन्होंने कहा कि इसकी बाहरी बनावट को तैयार करने में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की इमारत से भी प्रेरणा ली गई है।

कैलिफोर्निया में भड़की 'सैंडी फायर', 17 हजार से ज्यादा लोगों को घर छोड़ने का आदेश

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। दक्षिणी कैलिफोर्निया के वेंचुरा काउंटी में लगी तेज और हवा से भड़कती 'सैंडी फायर' पर काबू पाने के लिए 750 से ज्यादा फायरफाइटर जुटे हुए हैं। इस आग की वजह से 17,000 से अधिक लोगों को इलाका खाली करने के आदेश दिए गए हैं। सैंडी फायर सोमवार सुबह सिमी वैली में सैंडी एवेन्यू और रूडोल्फ ड्राइव के पास शुरू हुई। यह जगह लॉस एंजेलिस से करीब 48 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में है। सिमी वैली पुलिस विभाग के मुताबिक, सुबह करीब दस बजे एक व्यक्ति खेत/जमीन साफ करने के दौरान ट्रैक्टर चला रहा था। तभी ट्रैक्टर से एक पत्थर टकराया, जिससे चिंगारी निकली और आसपास की सूखी झाड़ियों में आग लग गई। कम नमी और तेज हवाओं की वजह से आग बहुत तेजी से फैल गई। मंगलवार सुबह तक यह करीब 1,385 एकड़ (लगभग 5.6 वर्ग किलोमीटर) इलाके में फैल चुकी थी, जबकि सिर्फ पांच प्रतिशत आग पर ही काबू पाया जा सका था।फायर

ब्रिगेड और इमरजेंसी टीमों ने आसपास की रिहायशी कॉलोनियों को बचाने के लिए जमीन और हवा दोनों तरफ से बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया। रात में हवा थोड़ी कम होने से राहत मिली, जिससे फायरफाइटर्स को सुरक्षा लाइनें बनाने का मौका मिला। पानी गिराने वाले हेलिकॉप्टर पास की झील से लगातार पानी भरकर आग बुझाने में लगे हैं, जबकि जमीनी टीमें आग को पहाड़ियों के पार बस्तियों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश कर रही हैं। कैलिफोर्निया सरकार भी पूरी सतर्कता बरत रही है। गवर्नर गैविन न्यूसम ने सोमवार शाम बताया कि राज्य को फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (एफईएमए) से फायर मैनेजमेंट असिस्टेंस ग्रांट मिल गई है। इससे स्थानीय एजेंसियों को आग बुझाने में होने वाले खर्च का 75 प्रतिशत तक वापस मिल सकेगा।

इस बीच, इलाके में जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है। सिमी वैली यूनिफाइड स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने सभी कक्षाएं रद्द कर दीं। वहीं पर्यावरण अधिकारियों ने वेंचुरा और लॉस एंजेलिस काउंटी में एयर क्वालिटी अलर्ट जारी किया है, क्योंकि घने धुएं ने पूरे इलाके को ढक लिया है और लोग जल्द आग पर काबू पाने की उम्मीद कर रहे हैं।

उधर, ऑस्ट्रेलिया में 2025 के दौरान पिछले दस वर्षों का दूसरा सबसे बड़ा आग का साल दर्ज किया गया। एक नई राष्ट्रीय फायर मैपिंग रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी बड़ी वजह खराब मौसम और तूफानों से लगी आग रही।

सहयोगियों की अपील पर एक घंटे पहले रोकी ईरान पर सैन्य कार्रवाई, अब नहीं देंगे ज्यादा समय : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान पर सैन्य कार्रवाई शुरू करने से सिर्फ एक घंटे दूर था, लेकिन क्षेत्रीय सहयोगी देशों के कहने पर उन्होंने फैसला कुछ समय के लिए रोक दिया। ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए सख्त रुख अपनाए हुए है। व्हाइट हाउस में बन रहे नए बॉलरूम और सुरक्षा परिसर के निर्माण स्थल के दौरे के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र के सहयोगी देशों ने बातचीत और कूटनीति के लिए थोड़ा और समय मांगा था। ट्रंप ने कहा, 'मैं आज कार्रवाई का फैसला लेने से सिर्फ एक घंटे दूर था। हम पूरी तरह तैयार थे। नाव, जहाज सब तैयार थे और पूरी तरह हथियारों से लैस थे। उन्होंने कहा कि बाद में क्षेत्रीय नेताओं के फोन आए, जिन्होंने बताया कि उन्हें लग रहा है कि ईरान बातचीत में 'समझदारी' दिखा रहा है। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने फोन करके कहा, क्या आप हमें दो-तीन दिन और दे सकते हैं? हमें लगता है कि वे अब ठीक तरीके से बात कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने यह भी साफ किया कि बातचीत के लिए ज्यादा लंबा समय नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'मैं कह रहा हूं दो या तीन दिन, शायद शुक्रवार, शनिवार, रविवार या अगले हफ्ते की शुरुआत तक। बहुत सीमित समय। क्योंकि हम उन्हें परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते। 'ट्रंप ने बार-बार कहा कि अगर ईरान को परमाणु क्षमता मिल गई तो वह मध्य पूर्व के लिए बड़ा खतरा बन जाएगा।

ट्रंप ने कहा कि अगर उनके पास परमाणु हथियार हुआ तो वे सबसे पहले इजरायल पर हमला करेंगे और बहुत तेजी से करेंगे। फिर वे सऊदी अरब, कुवैत, यूएई और कतर को निशाना बनाएंगे। यह परमाणु तबाही होगी।

ईरान संघर्ष में अमेरिका के 42 फाइटर जेट्स को नुकसान- अराघची बोले, 'हमारे दावे को किया गया स्वीकार

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान। हाल ही में अमेरिकी संसद की कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) ने एक रिपोर्ट तैयार की। इसमें दावा किया गया कि ईरान संघर्ष में अमेरिका के करीब 42 विमान या तो नष्ट हो गए या उन्हें नुकसान पहुंचा। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने इसे उन दावों की पुष्टि करार दिया जिसे तेहरान लगातार कहता आ रहा है। 13 मई को प्रकाशित सीआरएस रिपोर्ट का हवाला देते हुए ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईरान संघर्ष शुरू होने के कई महीने बाद, अमेरिकी कांग्रेस ने अरबों डॉलर की कीमत वाले दर्जनों विमान खोने की बात स्वीकार की।' अराघची के मुताबिक ये बताता है कि उनकी शक्तिशाली सशस्त्र सेना में एफ-35 को मार गिराने का माद्दा है। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि

जो पाठ इस संघर्ष से सीखा गया है वो बताता है कि 'जंग में वापसी कई और चौंकाने वाले मोड़ लेकर आ सकती है।' 'सीआरएस की रिपोर्ट में कहा गया है कि 42 विमानों के नुकसान का आंकड़ा बढ़ भी सकता है, क्योंकि कई मामलों की जानकारी अभी गोपनीय है और नुकसान की पुष्टि अलग-अलग सोर्स से की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, इनमें स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट और स्पेशल ऑपरेशन प्लेन भी शामिल हैं। सीआरएस अमेरिकी संसद और उसकी समितियों को कानूनी और नीतिगत विश्लेषण देने वाली संस्था है। उसने यह आंकड़े अमेरिकी रक्षा विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के बयानों के अलावा मीडिया रिपोर्टों के आधार पर तैयार किए हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी सेना ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान ये नुकसान झेला। ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 40 दिन का अमेरिकी-इजराइली हवाई अभियान था, जो 28 फरवरी 2026 से ईरान के खिलाफ चला। रिपोर्ट के अनुसार, 12 मई 2026 को हुई एक सुनवाई के दौरान, अध्यक्षीय पेंटागन नियंत्रक जूल्स डब्ल्यू. हर्स्ट III ने गवाही दी कि ईरान में सैन्य अभियानों के लिए विभाग का लागत अनुमान बढ़कर 29 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि पेंटागन ने अब तक कुल नुकसान का कोई आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया है।

इबोला संकट पर अमेरिका ने किया मदद का वादा, WHO पर लगाया देरी का आरोप

एजेंसी

वॉशिंगटन। सेंट्रल अफ्रीका में तेजी से फैल रहे इबोला प्रकोप को रोकने के लिए बड़े स्तर पर मदद देने का वादा करते हुए ट्रंप प्रशासन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की कड़ी आलोचना की। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि डब्ल्यूएचओ ने वैश्विक चेतावनी जारी करने में देरी की, जिससे जरूरी कार्रवाई शुरू करने में अहम समय निकल गया। अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि वॉशिंगटन पहले ही लगभग 23 मिलियन डॉलर की मानवीय और स्वास्थ्य सहायता देने का वादा कर चुका है। इसके अलावा, प्रभावित इलाकों में करीब 50 इबोला उपचार केंद्र और क्लीनिक बनाने के लिए एक और बहुत बड़ा पैकेज तैयार किया जा रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिका अब बड़े स्तर पर आगे आने वाला है। उन्होंने बताया कि यह सहायता 'सैकड़ों मिलियन डॉलर' तक पहुंच सकती है, क्योंकि कई संगठन क्लीनिक बना रहे हैं और वहां मेडिकल स्टाफ भेज रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक यह प्रकोप मुख्य रूप से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) के एक दूरदराज और संघर्ष प्रभावित इलाके में फैला है। इससे मरीजों की पहचान करना, जरूरी सामान पहुंचाना और राहत टीमों को तैनात करना काफी मुश्किल हो रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'हम इस मामले में देर से सक्रिय हुए क्योंकि डब्ल्यूएचओ भी थोड़ा देर से हरकत में आया। पांच मई को उन्हें वायरल हेमरेजिक फीवर की रिपोर्ट मिली थी, लेकिन यह पता लगाने और पुष्टि करने में कि यह इबोला का स्ट्रेन है, उन्हें दस दिन लग गए।' अधिकारी ने कहा कि यह देरी बहुत नुकसानदायक साबित हुई क्योंकि कुछ दिनों की देरी भी बहुत बड़ा फर्क डाल सकती है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि डब्ल्यूएचओ ने 15 मई को सार्वजनिक रूप से इस प्रकोप की पुष्टि की। इसके बाद अमेरिका ने तुरंत आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू कर दी, जिसमें सीडीसी, स्टेट डिपार्टमेंट और कई मानवीय एजेंसियां शामिल हैं। अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा कि उसने 24 घंटे काम करने वाली एक टास्क फोर्स सक्रिय कर दी है, जिसमें 2014 और 2018 के इबोला संकट में काम कर चुके अधिकारी शामिल हैं।

ट्रंप का दावाः बहुत जल्द खत्म कर देंगे युद्ध, ईरान समझौते के लिए बेताब, वे थक चुके हैं

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हाल ही में अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद ईरान 'समझौता करने के लिए बहुत बेताब है।' उन्होंने दावा किया कि तेहरान की सैन्य क्षमता काफी हद तक खत्म कर दी गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। ट्रंप व्हाइट हाउस के सालाना कांग्रेसनल पिकनिक में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक रैली जैसी शैली में अर्थव्यवस्था, विदेश नीति और अपनी सरकार के एजेंडे पर भी बात की और बार-बार ईरान और मध्य पूर्व में तनाव का ज?िक्र किया। उन्होंने कहा कि? हम इस युद्ध को बहुत जल्दी खत्म कर देंगे। वे समझौता करना बहुत चाहते हैं। वे इससे थक चुके हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका ने कार्रवाई इसलिए की क्योंकि 'उनके दिमाग में परमाणु हथियार हैं और हम उन्हें यह हथियार नहीं लेने देंगे।' उन्होंने कहा कि हमने बहुत अच्छा काम किया है और मुझे लगता है हम बहुत जल्दी यह पूरा कर लेंगे और उनके पास परमाणु हथियार नहीं होगा। उम्मीद है हम इसे अच्छे तरीके से हल करेंगे। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत को बहुत नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हमने उनकी नौसेना खत्म कर दी।

भारत ने सुरक्षा परिषद की सुधार प्रक्रिया पर उठाए सवाल, बहुमत की राय को दबाने का आरोप

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार को लेकर चल रही बातचीत के रिकॉर्ड रखने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। भारत का कहना है कि पिछली बैठक के दस्तावेज में स्थायी और अस्थायी सदस्यता बढ़ाने के समर्थन को सही तरीके से नहीं दिखाया गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा कि ज्यादातर सदस्य देश सुरक्षा परिषद में दोनों तरह की सदस्यता बढ़ाने के पक्ष में हैं, लेकिन दस्तावेज में इसे सिर्फ 'महत्वपूर्ण समर्थन' बताना बहुमत की राय को सही ढंग से नहीं दिखाता। वह सुरक्षा परिषद सुधारों पर हुई इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस (आईजीएन) की बैठक में जी4 समूह की ओर से बोल रहे थे। जी4 में भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान शामिल हैं। ये देश सुरक्षा परिषद में सुधार और खुद को स्थायी सदस्य बनाने की मांग का समर्थन करते हैं। हरीश ने कहा, 'जी-4 चाहता है कि इस सत्र का एलिमेंट्स पेपर सदस्य देशों की राय और भावना को सही और निष्पक्ष तरीके से दिखाए।' उन्होंने कहा कि अभी तक बातचीत के लिए कोई आधिकारिक ड्राफ्ट टेक्स्ट तैयार नहीं हो पाया है, क्योंकि कुछ देशों का छोटा समूह इसका विरोध कर रहा है। ऐसे में 'एलिमेंट्स पेपर' ही बातचीत को आगे बढ़ाने का एकमात्र तरीका बन गया है, जिसमें अलग-अलग सुधार प्रस्तावों के समर्थन का जि?क्र किया जाता है।

पिछले सत्र में अफ्रीकी देशों की संयुक्त मांग पर चर्चा हुई थी, जिसमें स्थायी और अस्थायी दोनों तरह की सीटें बढ़ाने की बात कही गई थी। इस प्रस्ताव को काफी देशों

का समर्थन मिला था। 'यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस' (यूएफसी) नाम का एक छोटा समूह स्थायी सदस्यता बढ़ाने का विरोध करता है। यह समूह प्रक्रिया से जुड़े नियमों का इस्तेमाल करके बातचीत के आधिकारिक ड्राफ्ट को आगे बढ़ने से रोकता रहा है।

इस समूह की अगुवाई इटली करता है और पाकिस्तान भी इसका खुलकर समर्थन करने वाले देशों में शामिल है। हरीश ने कहा कि जी4 पहले ही साफ कर चुका है कि एक संयुक्त मॉडल तैयार करके टेक्स्ट आधारित बातचीत शुरू होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा मॉडल पूरी निष्पक्षता से तैयार होना चाहिए और इसमें अलग-अलग देशों और समूहों की राय शामिल होनी चाहिए। यूएफसी का कहना है कि जब तक पूरी सहमति न बने, तब तक कोई बातचीत का टेक्स्ट तैयार नहीं हो सकता। इस पर जवाब देते हुए हरीश ने कहा कि? संयुक्त मॉडल बातचीत की शुरुआत है, अंत नहीं। इसे केवल सहमति या सबसे कम साझा राय तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि अलग-अलग समूहों और देशों के बीच पुल बनाने वाले प्रस्ताव और नए सुझाव टेक्स्ट आधारित बातचीत से ही निकल सकते हैं। हरीश ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर टेक्स्ट आधारित बातचीत जल्द शुरू नहीं हुई, तो आईजीएन प्रक्रिया में कोई असली प्रगति नहीं हो पाएगी।

उन्होंने कहा कि सुधारों के पक्षधर समूह के तौर पर जी4 एक बार फिर कहता है कि बिना और देरी किए टेक्स्ट के आधार पर बातचीत शुरू होनी चाहिए।

page 1 and 8 may 21_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/21/2026 12:21 AM Page 2

स्थानीय समाचार

सीयूके ने ऑनलाइन कक्षाएं और शुक्रवार को घर से काम करने की घोषणा की

श्रीनगर, 20 मई (हि.स.)। कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूके) ने मौजूदा स्थिति के मद्देनजर खर्च में कटौती के कई उपाय लागू किए हैं जिनमें ऑनलाइन कक्षाएं और शुक्रवार और शनिवाकर को घर से काम करना शामिल है। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा है कि 22 मई, 2026 से विश्वविद्यालय में ऑनलाइन शिक्षण और शुक्रवार और शनिवार को घर से काम (डब्ल्यूएफएच) की व्यवस्था की जाएगी। ये खर्च में कटौती के उपायों का हिस्सा हैं। यह निर्णय कुलपति की अध्यक्षता में 13 मई को हुई डीन समिति की बैठक की सिफारिशों के बाद लिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आगे कहा कि शुक्रवार को निर्धारित सभी व्यावहारिक सत्र और प्रयोगशाला कक्षाएं गुरुवार दोपहर को पुनर्निर्धारित की जाएंगी ताकि शैक्षणिक गतिविधियां बिना किसी रुकावट के जारी रह सकें। विश्वविद्यालय ने निर्देशों की व्यावहारिकता को ध्यान में रखते हुए पीएचडी मौखिक परीक्षा और कार्यशालाओं को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित करने का निर्देश दिया है। आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि अपरिहार्य परिस्थितियों में सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से ऑफलाइन माध्यम की अनुमति दी जा सकती है।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने चार आईपीएस अधिकारियों को प्रभारी आईजीपी किया नियुक्त

जम्मू, 20 मई(हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को तत्काल प्रभाव से चार आईपीएस अधिकारियों को प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) नियुक्त करने का आदेश दिया। गृह विभाग द्वारा जारी शासनादेश क्रमांक 298-गृह 2026 दिनांक 20 मई के अनुसार प्रशासन हित में यह निर्णय लिया गया है। आदेश के अनुसार शक्ति कुमार पाठक, आईपीएस (एजीएमयूटी-2009), वर्तमान में सहायक निदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), जम्मू-कश्मीर और निदेशक एसीबी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं को प्रभारी आईजीपी के रूप में रखा गया है। डॉ. मोहम्मद हसीब मुगल आईपीएस (एजीएमयूटी-2009) वर्तमान में डीआइजी ट्रैफिक जम्मू शेख जुनैद महमूद आईपीएस (एजीएमयूटी-2009) वर्तमान में डीआईजी आईआर कश्मीर और शाहिद मेहराज राथर आईपीएस (एजीएमयूटी-2009) निदेशक पुलिस टेलीकॉम जम्मू-कश्मीर को भी प्रभारी आईजीपी के रूप में रखा गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि अधिकारियों के अलग-अलग पोस्टिंग आदेश अलग से जारी किए जाएंगे

1.5 करोड़ रुपये मूल्य के अवैध रूप से निर्मित मकान को ध्वस्त किया

श्रीनगर, 20 मई (हि.स.)। श्रीनगर पुलिस ने मंगलवार को श्रीनगर के लाल बाजार इलाके में एक वांछित ड्रग तस्कर से जुड़े लगभग 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के अवैध रूप से निर्मित मकान को ध्वस्त कर दिया।

पुलिस के अनुसार लाल बाजार में सरकारी जमीन पर निर्मित दो मंजिला संपत्ति लगभग नौ मरला में फैली हुई थी। यह संपत्ति हाका बाजार, लाल बाजार निवासी वली मोहम्मद शेख के पुत्र अर्शीद अहमद शेख से जुड़ी हुई थी, जो नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज कई मामलों में संलिप्त है। उसके खिलाफ जम्मू के जानीपुर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 और 22 के तहत और लाल बाजार पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत एफआईआर दर्ज है। खानयार के कार्यकारी मजिस्ट्रेट और श्रीनगर नगर निगम के अधिकारियों की उपस्थिति में विध्वंस अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि नशीले पदार्थों के व्यापार से उत्पन्न अवैध संपत्तियों और वित्तीय नेटवर्क को नष्ट करने के चल रहे प्रयासों के तहत यह कार्रवाई पूरी तरह से कानूनी प्रावधानों के अनुरूप की गई है।

रामबन प्रशासन ने बनिहाल में मेगा पदयात्रा आयोजित की, कमिश्नर सचिव ने कार्यक्रमों का नेतृत्व किया

रामबन, 20 मई। चल रहे नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान के तहत जिला प्रशासन रामबन ने आज बनिहाल में नशे के खिलाफ अभियान को तेज करने और युवाओं तथा आम जनता में मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मेगा जागरूकता पदयात्रा और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमिश्नर सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी बबीला रकवाल ने की, जो रामबन में नशा मुक्त भारत अभियान के क्रियान्वयन के लिए मेंटर सचिव भी हैं। कार्यक्रम में छात्रों, युवाओं, सिविल सोसायटी सदस्यों, शिक्षकों, अधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर उपायुक्त रामबन मोहम्मद इलियास खान, एस एस पी रामबन अरुण गुप्ता, ए डी सी रामबन वरुणजीत सिंह चरक, एस डी एम बनिहाल मोहम्मद नसीब बजरान, एस डी एम रामसू सैयद मजाहिर हुसैन शाह और अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व मधुमक्खी दिवस जम्मू में मनाया गया

जम्मू, 20 मई। एपिकल्चर डेवलपमेंट स्कीम, डायरेक्टरेट ऑफ एग्रीकल्चर जम्मू ने आज डायरेक्टर एग्रीकल्चर एंड फार्मर्स वेलफेयर जम्मू अनिल गुप्ता के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डी सी टी सी, चिमना चक, बिश्नाह जम्मू में विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया।

इस कार्यक्रम का आयोजन मधुमक्खियों के पारिस्थितिक संतुलन और खाद्य सुरक्षा बनाए रखने में महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किया गया।

बी टुगेदर फॉर पीपल एंड द प्लैनेटथीम पर आधारित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 30 मधुमक्खी पालकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर सहायक एंटोमोलॉजिस्ट हरविंदर सिंह ने कहा कि विश्व मधुमक्खी दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि हमारे आसपास मधुमक्खियों के महत्व और अस्तित्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा, ‘हालांकि मधुमक्खियां छोटे जीव हैं, लेकिन वे परागण, पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता, फसल उत्पादकता बढ़ाने और जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम में शामिल मधुमक्खी पालकों ने विभागीय अधिकारियों के साथ बातचीत की और मधुमक्खी पालन तथा शहद उत्पादन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का समापन परागणकर्ताओं की रक्षा करने और स्वस्थ ग्रह के लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने की सामूहिक शपथ के साथ हुआ।

एग्रीकल्चर विभाग कश्मीर ने विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया

श्रीनगर, 20 मई। डायरेक्टरेट ऑफ एग्रीकल्चर कश्मीर ने आज एग्रीकल्चर कॉम्प्लेक्स, लालमंडी, श्रीनगर में विश्व मधुमक्खी दिवस 2026 बड़े उत्साह के साथ मनाया।

इस कार्यक्रम में एग्रीकल्चर विभाग के अधिकारियों, मधुमक्खी पालकों, किसानों, वैज्ञानिकों, छात्रों और एपिकल्चर तथा टिकाऊ कृषि से जुड़े अन्य हितधारकों ने भाग लिया।

इस वर्ष के आयोजन की थीम बी टुगेदर फॉर पीपल एंड द प्लैनेट- ए पार्टनरशिप दैट सस्टेन्स अस ऑलरही, जिसने खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने में मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान सरताज अहमद शाह, डायरेक्टर एग्रीकल्चर कश्मीर ने पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और परागण तथा कृषि उत्पादकता बढ़ाने के माध्यम से मानव जीवन को समर्थन देने में शहद की मधुमक्खियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मधुमक्खियां पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने और फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए अनिवार्य हैं, जिससे आजीविका और पोषण सुरक्षा को सीधा लाभ मिलता है।

डायरेक्टर ने मधुमक्खी संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और मधुमक्खी अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने किसानों और हितधारकों से कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग को कम करने तथा परागणकर्ताओं के स्वास्थ्य को समर्थन देने वाली एकीकृत कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने की अपील की।इस अवसर पर विशेषज्ञों और अधिकारियों ने आय सृजन और ग्रामीण रोजगार के एक व्यवहारिक स्रोत के रूप में एपिकल्चर के बढ़ते महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कश्मीर में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने और एपिकल्चर क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की विभिन्न पहलों पर भी प्रकाश डाला।

श्री अमरनाथजी यात्रा 2026 के लिए पी डी डी की तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर, 20 मई। अतिरिक्त मुख्य सचिव (ए सी एस), पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट अश्विनी कुमार ने आज आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 के सुचारू संचालन के लिए जे पी डी सी एल और के पी डी सी एल द्वारा की जा रही तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान ए सी एस ने दोनों मार्गों (बालटाल और पहलगाम रूट) पर विद्युत बुनियादी ढांचे के विकास, नियमित सुविधाओं और समग्र तैयारियों की स्थिति की समीक्षा की।

जे पी डी सी एल और के पी डी सी एल के प्रबंध निदेशकों ने अपने-अपने डिस्कॉम द्वारा की जा रही तैयारियों का विवरण प्रस्तुत किया। टेंडर प्रक्रिया और कार्यों की प्रगति की स्थिति पर कैंप-वार और पड़ाव-वार चर्चा की गई। विशेष रूप से मार्गों पर अंडरग्राउंड केबलिंग जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर विचार-विमर्श हुआ।

ए सी एस को अवगत कराया गया कि यात्रा से संबंधित सभी स्थलों पर विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने से जुड़े सभी कार्य यात्रा-2026 शुरू होने से पहले पूरे कर लिए जाएंगे। ए सी एस ने यात्रियों के लिए निर्बाध सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु सभी विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। दोनों डिस्कॉम को निर्देश दिए गए कि तैयारियों से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं तथा पर्याप्त परिचालन ढांचे के साथ गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में गुरपाल सिंह एम डी-जे पी डी सी एल, महमूद अहमद शाह एम डी-के पी डी सी एल, इंजीनियर हबीब चौधरी एम डी-जे के पी टी सी एल, इंजीनियर निसार अहमद लोन मुख्य अभियंता वितरण के पी डी सी एल तथा डिस्कॉम के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डोडी गुज्जर कॉलोनी में दान अभियान चलाया

जम्मू, 20 मई। आई ए एस ऑफिसर वाइव्स एसोसिएशन (आई ए एस ओ डब्ल्यू ए) ने गवर्नमेंट मिडिल स्कूल, डोडी गुज्जर कॉलोनी, जम्मू में छात्रों के समर्थन और बच्चों के लिए शैक्षणिक वातावरण सुधारने के उद्देश्य से एक सार्थक दान अभियान आयोजित किया।

अभियान के दौरान छात्रों को बैठने की टेबल, फर्श मैट, जूते, नोटबुक, स्टेशनरी सामग्री और जलपान सहित कई उपयोगी वस्तुएं वितरित की गईं। दान सामग्री के अतिरिक्त सरकारी योजनाओं के सहयोग से स्कूल में महत्वपूर्ण विकास कार्य भी किए गए। इनमें वॉटरप्रूफिंग और अन्य बुनियादी ढांचे से जुड़े सुधार शामिल हैं, जिससे छात्रों के लिए अधिक सुरक्षित और आरामदायक वातावरण तैयार हुआ है। यह कार्यक्रम मुख्य सचिव अतल डुल्लू की पत्नी मोनिका डुल्लू के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों में सी ए गीतांजलि सिंगला, डॉ. पीयूष सिंगला की पत्नी; रेखा जैन, परमोद जैन की पत्नी; नीरू गोस्वामी, अनिल गोस्वामी की पत्नी और कवलजीत कौर, हरविंदर सिंह की पत्नी शामिल थीं। मुख्य शिक्षा अधिकारी जम्मू अजीत शर्मा ने वंचित बच्चों की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में आई ए एस ओ डब्ल्यू ए सदस्यों के महत्वपूर्ण सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री के सलाहकार ने नए विधानसभा परिसर निर्माण और जम्मू में विकास कार्यों की समीक्षा की

जम्मू, 20 मई। मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने आज जम्मू में नए विधायी परिसर का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया तथा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया।

इस दौरे का उद्देश्य जारी निर्माण कार्यों का निरीक्षण करना और यह सुनिश्चित करना था कि कार्यकारी एजेंसी द्वारा विधायी कार्यक्षमता के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप सभी अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाओं का पालन किया जा रहा है। एग्जीक्यूटिव इंजीनियर पी डब्ल्यू डी (आर एंड बी) प्रोजेक्ट डिवीजन-द्वितीय ने परियोजना का अवलोकन, विभिन्न मंजिलों पर बनाई जा रही सुविधाओं, विधानसभा हॉल की बढ़ी हुई बैठने की क्षमता, केंद्रीय हॉल के निर्माण और बाहरी फिनिशिंग आदि की जानकारी दी।

दौरे के दौरान सलाहकार ने केंद्रीय विधानसभा हॉल, प्रशासनिक कक्षों और आसपास के सार्वजनिक उपयोगिता स्थलों का निरीक्षण किया।

केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए सलाहकार ने कार्यकारी एजेंसी को शेष फिनिशिंग कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजना पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक परिसर का समय पर पूरा होना भविष्य की लोकतांत्रिक कार्यवाहियों के सुचारू संचालन और जनप्रतिनिधियों की सुविधा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

निरीक्षण के दौरान सलाहकार ने कहा, मजबूत बुनियादी ढांचा प्रभावी शासन की रीढ़ है। यह नया परिसर केवल एक भवन नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है और इसे उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा किया जाना चाहिए।

नासिर असलम ने पी डब्ल्यू डी (आर एंड बी) जम्मू और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ इंजीनियरों के साथ बातचीत की और परियोजना की संरचनात्मक एवं तकनीकी विशेषताओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को परिसर में ई-विधान सहित उन्नत आई टी बुनियादी ढांचे, आधुनिक ध्वनि व्यवस्था और बेहतर सुरक्षा प्रणालियों के सुचारू एकीकरण को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आगामी नया विधायी परिसर ई-विधान जैसी सुविधाओं के साथ विधायकों के लिए अत्यधिक सुलभ, पर्यावरण अनुकूल और तकनीकी रूप से उन्नत वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है। प्रशासन का लक्ष्य इस परियोजना को शीघ्र पूरा कर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के लिए बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है।

सलाहकार के साथ नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

बाद में नासिर असलम ने मुख्य अभियंता पी डब्ल्यू डी (आर एंड बी) जम्मू राजेश ऑगस्टम, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी जम्मू और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जम्मू में विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान सलाहकार ने जम्मू के चौथे तवी पुल तक पहुंच मार्ग के स्थायी पुनर्स्थापन कार्य की समीक्षा की। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना 14.59 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से स्वीकृत की गई है और इसकी निर्धारित अवधि 12 महीने है। यह कार्य क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था सुधारने और यातायात को सुचारू बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

नासिर असलम ने आगामी श्री अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर यात्री निवास भगवती नगर में चल रहे मरम्मत और नवीनीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया। परियोजना में यात्रियों और लंगरों के लिए अस्थायी शेड और हैंगर निर्माण के साथ पार्किंग क्षेत्रों और आंतरिक सड़कों पर बिटुमिन बिछाने का कार्य शामिल है

यह कार्य 1.59 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से डेढ़ महीने की अवधि में किया जा रहा है।

सलाहकार ने गाड़ीगढ़ में बलोल नाला पर 105 मीटर लंबे प्री-स्ट्रेस्ड आर सी सी पुल निर्माण परियोजना का भी निरीक्षण किया।

स्पीकर ने चौदरीगुंड, चाडूरा में पुल का उद्घाटन किया

सतत विकास के लिए मजबूत संपर्क नेटवर्क पर दिया जोर

बडगाम, 20 मई। क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने आज चाडूरा के नल्लाह अपजारी पर चौदरीगुंड में 11.70 मीटर चौड़ाई वाले नए डबल लेन 25 मीटर पुल का उद्घाटन किया।

474.65 लाख रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित यह पुल स्थानीय संपर्क व्यवस्था को बेहतर बनाएगा, आवागमन आसान करेगा और क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए स्पीकर ने कहा कि मजबूत संपर्क नेटवर्क की स्थापना सतत विकास की आधारशिला है। उन्होंने रणनीतिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्रीय परिदृश्य को बदलने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

स्पीकर राथर ने कहा, ‘हमारे क्षेत्र के समग्र विकास के लिए संपर्क व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुल केवल दो भूभागों को नहीं जोड़ता बल्कि लोगों को बाजार, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और बेहतर अवसरों से जोड़ता है। हमारी सरकार सभी क्षेत्रों के समान विकास के लिए प्रतिबद्ध है ताकि कोई भी क्षेत्र या समुदाय पीछे न रहे।

नए डबल लेन पुल से स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है। इससे यात्रा समय कम होगा और हर मौसम में आवश्यक सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम के दौरान राथर ने लोगों को आश्वासन दिया कि सरकार अविकसित क्षेत्रों को प्राथमिकता देती रहेगी और संतुलित प्रगति, संसाधनों के न्यायसंगत वितरण तथा जनकल्याण परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

शलीन काबरा ने अनंतनाग में जे जे एम की प्रगति की समीक्षा की

संजय-2026 के लिए जल शक्ति विभाग की तैयारियों का लिया जायजा

अनंतनाग, 20 मई। अतिरिक्त मुख्य सचिव (ए सी एस) जल शक्ति शलीन काबरा ने आज अनंतनाग का दौरा कर डी सी कार्यालय में संबंधित अधिकारियों के साथ व्यापक समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले में जल जीवन मिशन (जे जे एम) और सिंचाई योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के साथ आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 के लिए जल शक्ति विभाग की तैयारियों का जायजा लिया गया।

बैठक में उपायुक्त डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट, एम डी जे जे एम, निदेशक योजना जे एस डी, मुख्य अभियंता पी एच ई/आई एंड एफ सी, दक्षिण वन संरक्षक, ए डी सी, सी पी ओ, तकनीकी अधिकारी, एस ई हाइड्रोलिक्स, कार्यकारी अभियंता, विभिन्न इंजीनियरिंग शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारी, डी एफ ओ, डी एम ओ और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले में जल जीवन मिशन के तहत जलापूर्ति योजनाओं की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। बताया गया कि जिले के कुल 1,32,915 ग्रामीण परिवारों में से 1,23,516 परिवारों को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे लगभग 92.93 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। बैठक में बताया गया कि कुल 369 योजनाओं के अंतर्गत 573 कार्य चल रहे हैं, जिनमें से अब तक 380 कार्य और 250 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं। पाइप नेटवर्क, आर एस एफ पी, ओ एच टी और खुदे हुए कुओं की प्रगति की जानकारी भी अध्यक्ष को दी गई। ए सी एस ने जल शक्ति क्षेत्र में संजय 2026 के तहत प्रस्तावित कैपेक्स और रेवेक्स कार्यों की समीक्षा की और समय पर आवंटन, निष्पादन और पूर्णता पर जोर दिया। पहलगाम मार्ग पर श्री अमरनाथ जी यात्रा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने ए सी एस को पवित्र गुफा मार्ग पर विकसित और प्रस्तावित बुनियादी ढांचे की जानकारी दी, जिसमें नुनवान, चंदनवाड़ी, पिस्सू टॉप, जोजिबल, शेषनाग और पंचतरणी सहित विभिन्न स्थानों पर शौचालय, स्नानघर, पी एस पी, जलापूर्ति ढांचा, सेवा जलाशय, फिल्ट्रेशन प्लांट और पाइप नेटवर्क शामिल हैं। सिंचाई क्षेत्र की समीक्षा के दौरान बैठक में नहरों में गाद जमाव, अवैध खनन, अतिक्रमण, जल स्रोतों के प्रदूषण और अंतिम छोर तक पानी न पहुंचने जैसी समस्याओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने नहरों की सफाई, मरम्मत, लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के रखरखाव और नाबार्ड समर्थित परियोजनाओं सहित किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। शलीन काबरा ने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने, गुणवत्ता बनाए रखने और संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निगरानी तंत्र मजबूत करने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इंजीनियरों और फील्ड कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए ए सी एस ने जिले में सुरक्षित पेयजल आपूर्ति और बेहतर सिंचाई सुविधाएं सुनिश्चित करने की विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई।